শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 174 | गुवाहाटी | सोमवार, 22 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएम ने माजबाट में एनएफएसए के तहत राशन कार्ड वितरित किए पेज 2
सीएम मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी का भ्रष्टाचार चुनाव के दौरान बनेगा... पेज 3
रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ऐतिहासिक क्षण, दीपोत्सव कर खुशी मनाएं : मेनका पेज 5
पेरिस ओलंपिक का सपना टूटा, सवालों के घेरे में महिला हॉकी टीम पेज 7

प्रभु श्रीराम के आने में बस कुछ पल और

प्राण-प्रतिष्ठा 12.20 से

अयोध्या। बस कुछ पलों और इंतजार, रामलला के स्वागत के लिए तैयार है अयोध्या धाम। राम भक्तों को वर्षों से जिस पल का इंतजार है, उसके लिए अयोध्या पूरी तरह से तैयार है। मानों ऐसा लग रहा है कि त्रेता युग एक बार फिर वापस लौट आया है। जिस प्रकार 14 वर्ष के वनवास के बाद भगवान श्री राम अयोध्या वापस आए थे। उनके स्वागत की तैयारियों में पूरी अयोध्या ने उत्सव मनाया था। ठीक इसी प्रकार 500 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद एक बार फिर रामजन्मभूमि पर श्री राम का मंदिर बन रहा है और 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा हो रही है। देशवासी प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव में डूबे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होंगे। अगले दिन ही यह मंदिर जनता के लिए खोल दिया जाएगा। *प्राण-प्रतिष्ठा* समारोह दोपहर 12.20 बजे शुरू होगा और दोपहर एक बजे तक उसके पूरा होने की संभावना है। इसके बाद प्रधानमंत्री आयोजन स्थल पर संतों और प्रतिष्ठित शख्सियतों समेत 7,000 से अधिक लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। लाखों लोगों के इस कार्यक्रम को टेलीविजन और ऑनलाइन मंचों पर सीधा प्रसारण देखने की उम्मीद है। इसे देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों और ओडिशा ने एक दिन के अवकाश की घोषणा की है जबकि केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी का एलान किया है। भगवान राम की जन्म स्थली अयोध्या में प्राधिकारी तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। इसके साथ ही देश और विदेश में इस अवसर पर विशेष उत्सव की घोषणा की गई है। वाशिंगटन डीसी से लेकर पेरिस और सिडनी तक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 22 जनवरी को कार्यक्रमों की घोषणा की गई है। ये कार्यक्रम 60 देशों में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) या हिंदू प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों से 14 दंपती प्राण-प्रतिष्ठा के लिए *यजमान* होंगे। इस समारोह के मद्देनजर अनुष्ठान 16 जनवरी को शुरू हुए थे और मंदिर न्यास के महासचिव चंपत राय के अनुसार ये अनुष्ठान 21 जनवरी को संपन्न होंगे। मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई रामलला की नई 51 इंच की मूर्ति को गुरूवार दोपहर को मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया गया। एक कपड़े से ढकी आंखों के साथ नई मूर्ति की पहली तस्वीर शुक्रवार को जारी की गई। राय ने कहा कि मंदिर में प्रवेश पूर्वी दिशा से होगा और निकासी दक्षिण दिशा से होगी। मंदिर की पूरी संरचना तीन मंजिला होगी। श्रद्धालुओं को मुख्य मंदिर तक पहुंचने के लिए पूर्वी दिशा से 32 सीढ़ियां चढ़नी होगी। पारंपरिक नागर शैली में बना मंदिर परिसर 380 फुट लंबा (पूर्व-पश्चिम दिशा), 250 फुट चौड़ा और 161 फुट ऊंचा होगा। मंदिर की प्रत्येक मंजिल 20 फुट ऊंची होगी और उसमें कुल 392 स्तंभ और 44 द्वार होंगे। सरकार इस विशेष दिन के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है और शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। मंदिर नगरी के प्रत्येक मुख्य चौराहे पर कंटीले तारों वाले बैरिकेट्स लगाए गए हैं। भूकंप और बाढ़ जैसी घटनाओं के साथ ही रासायनिक, जैविक, रेडियोधर्मी और परमाणु हमलों से निपटने के लिए प्रशिक्षित राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) दलों को भी तैनात किया गया है। प्रशासन ने ठंड के प्रकोप के मद्देनजर किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां की हैं। अयोध्या और जिला अस्पतालों और यहां के मेडिकल कॉलेज में बिस्तरों को आरक्षित रखा गया है। भव्य राम मंदिर को फूलों और विशेष रोशनी से सजाया गया है और पूरा शहर धार्मिक रंग में रंगा हुआ है या यूं कहे कि अयोध्या राममय हो रही है। यह मंदिर नगरी *शुभ घड़ी आई, तैयार है अयोध्या धाम, विराजेंगे श्री राम, राम फिर लौटेंगे, अयोध्या में राम राज्य* जैसे नारों वाले पोस्टर और होर्डिंग से पटा हुआ है। राम मार्ग, सरयू नदी तट और लता मंगेशकर चौक जैसे अहम स्थानों पर रामायण के विभिन्न श्लोक वाले पोस्टर भी लगाए गए हैं। यहां विभिन्न स्थानों पर रामलीला, भगवत कथा, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सरयू नदी का तट भी सजा-धजा है जहां हजारों लोग हर शाम को *आरती* के लिए उमड़ रहे हैं। देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, बीमा कंपनियां, वित्तीय संस्थान और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी 22 जनवरी को आधे दिन के लिए बंद रहेंगे। एनएसई और बीएसई स्टॉक एक्सचेंज ने भी इस दिन कारोबार न होने की घोषणा की है। अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा से पहले करीब दो घंटे तक सुनाई देने वाली दिव्य मंगल ध्वनि में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्य यंत्रों का उपयोग किया जाएगा। समारोह के लिए आमंत्रित किये गए 7,000 से अधिक लोगों की लंबी सूची में, राजकीय अतिथियों की सूची में प्रमुख राजनीतिक नेता, बड़े उद्योगपति, फिल्म अभिनेता, खिलाड़ी, नौकरशाह और राजनयिक शामिल हैं। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भाग ले रहे लोगों में राम जन्मभूमि में मंदिर के लिए आंदोलन करने वाले लोग भी शामिल हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन, दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी और मशहूर खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर भी आमंत्रित अतिथियों की सूची में शामिल हैं। समारोह के लिए आमंत्रित किए गए विपक्ष के -शेष पृष्ठ दो पर

कड़वाहट खत्म कर राष्ट्र निर्माण में जुटें : भागवत

नई दिल्ली। रामनगरी अयोध्या में 22 जनवरी को बेहद शानदार कार्यक्रम में राम मंदिर का उद्घाटन होने के साथ ही गर्भ ग्रह में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होनी है। इस प्राणों प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने के लिए देश के अयोध्या पहुंचेंगे और इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनेंगे। प्राण-प्रतिष्ठा होने से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का बड़ा बयान सामने आया है। प्राण-प्रतिष्ठा से पहले मोहन भागवत ने कड़वाहट मिटाने के साथ विवाद खत्म करने की अपील की है। मोहन भागवत ने एक लेख के जरिए हर तरह की कड़वाहट को खत्म करने का अनुरोध किया है। बता दें कि यह लेख -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल-कॉलेज में छुट्टी, बंद रहेंगी शराब की दुकानें

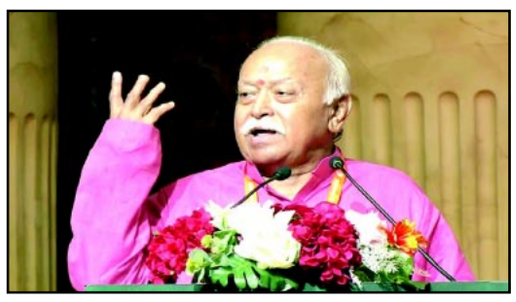

गुवाहाटी। राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की धूम पूरे देश में है। हर कोई इस मौके का साक्षी बनना चाहता है। इसे देखते हुए 22 जनवरी को कई राज्यों में आधे दिन की छुट्टी का एलान किया गया है। इसी कड़ी में असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने भी घोषणा की है कि 22 जनवरी को सभी सरकारी स्कूल और कॉलेज की छुट्टी रहेगी। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने मीडिया से कहा कि कल सभी स्कूल और कॉलेज पूरे दिन के लिए बंद रहेंगे। साथ ही, -शेष पृष्ठ दो पर

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की मिसाल अयोध्याधाम

नई दिल्ली (हि.स.)। कश्मीर में बर्फ से ढकी ऊंची चोटियों से लेकर कन्याकुमारी में धूप से सराबोर समुद्र तटों तक, राम नाम की गूंज ने पूरे भारत में भक्ति का माहौल बना दिया है। अब यह भक्ति अयोध्या में ऐतिहासिक राम मंदिर के रूप में मूर्त रूप ले रही है। यह गौरवमय मंदिर भारत की एकता और भक्ति के प्रतीक के रूप में खड़ा है, न केवल भव्यता में, बल्कि देश-विदेश से मिले योगदान के रूप में भी अद्वितीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* पहल इस मंदिर के साथ गहराई से जुड़ी दिखती है। -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सुप्रभात

भूख के समान कोई दूसरा शत्रु नहीं है।

- आचार्य चाणक्य

राहुल दोपहर तीन बजे के बाद आए : बटद्रवा सत्र

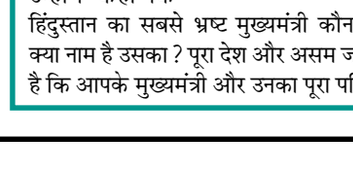

नगांव (हि.स.)। अयोध्या के राम मंदिर में सोमवार को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर बटद्रवा सत्र ने राहुल गांधी से सोमवार को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ सुबह के बजाय दोपहर तीन बजे के बाद आने का आग्रह किया है। श्रीश्री बटद्रवा थान संचालन समिति ने आज एक आपातकालीन बैठक में यह निर्णय लेने के बाद बटद्रवा के विधायक सिबामोनी बोरा को एक पत्र लिखा है। पत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली श्रीश्री बटद्रवा थान की अपनी यात्रा पुनर्निर्धारित करने का आग्रह किया गया है। पत्र में कहा गया है कि बटद्रवा थान -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान शंकरदेव के जन्मस्थान पर न जाएं राहुल : सीएम

गुवाहाटी। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के उद्घाटन की तैयारियां पूरी हो गई हैं। राम नगरी को सजा लिया गया है। ऐसे में, 22 जनवरी को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर उत्साह से भरे हुए हैं। उन्होंने राज्य में कल ड्राई डे घोषित कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर हमला बोला। सीएम शर्मा ने कहा कि यह भारतीय सभ्यता की जीत है। मैं असम के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। कल शाम चार बजे तक मीट, मछली की दुकानें और बाजार बंद रहेंगे। कल शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। राज्य में कल ड्राई डे रहेगा। रेस्तरां भी इस दिशा का पालन करेंगे। कोई भी रेस्तरां दोपहर दो बजे तक मांसाहारी भोजन नहीं परोसेगा। जबकि मांस या मछली की दुकानें शाम चार बजे से पहले नहीं खुल सकती हैं। हालांकि, शाम चार बजे के बाद, वे अपना व्यवसाय कर सकते हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने राहुल गांधी से अपील की कि वह कल राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पूरी होने के बाद बटद्रव्य सत्र आएं। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह कल प्राण-प्रतिष्ठा -शेष पृष्ठ दो पर

जयराम रमेश की गाड़ी पर हमले की जांच होगी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश की कार पर भाजपा कार्यकर्ताओं के कथित हमले की पुलिस जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, राज्य के शोणितपुर जिले में कांग्रेस नेता जयराम रमेश की कार पर कथित हमला हुआ था। इस संबंध में सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि असम पुलिस के डीजीपी जीपी सिंह को दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी आरोपी गिरफ्तार

अररिया। बिहार के अररिया जिले में पुलिस को फोन कर 22 जनवरी को राम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले 21 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अररिया के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इंतेखाब आलम को शनिवार की देर रात पलासी -शेष पृष्ठ दो पर

हम सीएम से डरते नहीं, कर लें... उन्हें जो करना है : राहुल गांधी

गुवाहाटी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को देश का सबसे भ्रष्ट व्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री कौन है? क्या नाम है उसका? पूरा देश और असम जानता है कि आपके मुख्यमंत्री और उनका पूरा परिवार सबसे ज्यादा भ्रष्ट है। राहुल गांधी ने कहा कि कभी यात्रा में हमारी परिमशन रद्द कर देते हैं, कभी हमारे लोगों को आने नहीं दिया जाता, कभी हमारी झंडे जला दी जाती है... मगर इनको बात समझ नहीं आ रही है... ये राहुल गांधी की यात्रा नहीं है, असम की जनता की आवाज की यात्रा है और वो जो भी करना चाहते हैं, कर -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री का करारा पलटवार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि आप और आपके परिवार से बढ़कर भ्रष्टाचारी कौन हो सकता है। भ्रष्टाचार के मामले में ज़मानत पर बाहर हैं। आप भ्रष्टाचार में लिप्त होकर दूसरे को भ्रष्ट कहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य को विभाजित करने की कोशिश कर रहे कुछ लोग : मुख्यमंत्री

इंफाल। मणिपुर आज अपना 52वां राज्य दिवस मना रहा है। मणिपुर ने सन् 1972 में राज्य का दर्जा प्राप्त किया था। पूर्वोत्तर राज्य में मेइतेई और कुकी के बीच जातीय हिंसा के कारण जारी तनाव के बीच मणिपुर का राज्य दिवस मनाया जा रहा है। राज्य दिवस समारोह को लेकर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि भले ही हमें 1972 में ही राज्य का दर्जा दिया गया था, लेकिन मैं उन तत्वों की वजह से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हूं जो राज्य को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरा -शेष पृष्ठ दो पर

शोणितपुर में अफरा-तफरी बस में वापस लौटे सांसद

नगांव। राहुल गांधी मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आयोजन कर रहे हैं। यात्रा के आठवें दिन राहुल असम के शोणितपुर इलाके में पहुंचे। एक स्थान पर लोगों से मिलने बस से नीचे उतरे राहुल गांधी को अफरा-तफरी जैसे माहौल में कुछ सेकेंड के भीतर वापस बस में चढ़ाया गया। दरअसल, राहुल जिस बस से सफर कर रहे हैं उसके आस-पास भाजपा का झंडा लेकर पहुंचे कुछ लोगों को देखकर अफरा-तफरी का माहौल देखा गया। इससे पहले पार्टी महासचिव जयराम रमेश की कार को निशाना बनाने की खबर भी सामने आई। माहौल की संवेदनशीलता को देखते हुए मौके पर मौजूद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीएम ने माजबाट में एनएफएसए के तहत राशन कार्ड वितरित किए

गुवाहाटी (हि.स.)। समाज के वंचित वर्गों की मदद करने में सरकार की प्रतिबद्धता को एक नई ऊंचाई पर ले जाते हुए, मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज माजबाट विधानसभा क्षेत्र के 12 हजार 062 लाभार्थी परिवारों को राशन कार्ड वितरित करने की प्रक्रिया शुरू की। गौरतलब है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के एक हिस्से के रूप में मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने राज्य में 42 लाख से अधिक लाभार्थियों को नए राशन कार्ड वितरित करना शुरू कर दिया है। समाज के वंचित वर्गों के लाभ के लिए, राज्य सरकार ने परिवारों की आय सीमा रुपये से बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की मदद करते हुए राज्य सरकार वंचितों को राशन कार्ड दे रही है। इस कार्ड की मदद से पात्र परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 5 किलो चावल के साथ-साथ सूचीबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान भारत और आयुष्मान असम कार्यक्रम के तहत 5 लाख रुपए और प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी कनेक्शन दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार ने लोगों के कल्याण को एक नए स्तर पर ले जाने की अभूतपूर्व पहल की है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में राज्य के लोगों को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ऐसी और कल्याणकारी योजनाएं शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बोड़ो शांति समझौते के बाद बीटीआर क्षेत्रों में शांति और विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। उन्होंने बताया कि उदालगुड़ी में कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा फरवरी महीने में जिले के अपने अगले दौरे के दौरान की जाएगी। तदनुसार, बीटीआर क्षेत्रों के विकास के लिए कैबिनेट के सभी निर्णयों को क्रियान्वित करने के लिए कदम तेज किये जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि माजबाट शहर में जल-जमाव की समस्या के तत्काल समाधान के लिए सरकार व्यावहारिक कदम उठाएगी। इसके अलावा, उदालगुरी में राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने के साथ-साथ जिले के खिलाड़ियों के खेल कौशल को निखारने में सक्षम बनाने के लिए उदालगुरी में जिला स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर असम विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, सीईएम बीटीसी प्रमोद बोड़ो, सांसद दिलीप सैकिया ने भी बात की। इस अवसर पर विधायक माजबाट चरण बोड़ो, उप प्रमुख बीटीसी गोबिंद चंद्र बसुमतारी और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जय श्री राम के नारे से गुंजित हो उठा असम

गुवाहाटी (हि.स.)। *जय श्री राम* के नारे से आज पूरा असम गूंज उठा। राजधानी गुवाहाटी से लेकर राज्य के सभी छोटे-बड़े स्थानों पर अलग-अलग टोलियों में राम भक्त जुलूस निकाल रहे हैं। राज्य के गांवों से लेकर शहरों तक के मंदिरों में हो रहे पूजा-अर्चना, नाम-कीर्तन आदि से पूरा माहौल गुंजित होता है। हर तरफ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी की छवि अंकित झंडे, पताके आदि फहरा रहे हैं। लोग अपनी गाड़ियों, घरों, दुकानों से लेकर जहां-तहां राम पताका लगाए हैं। इधर, राज्य सरकार द्वारा कल आधे दिन के अवकाश की घोषणा के बाद लोग और अधिक उत्सव के माहौल में रंग गए हैं। आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन बुलाकर अपील की थी कि राज्य के दुकानदार सुबह से लेकर दोपहर चार बजे तक अपनी-अपनी दुकानें बंद रखकर रामलला प्राण-प्रतिष्ठा उत्सव में शामिल हों। मुख्यमंत्री के अनुरोध के बाद कामरूप चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा राजधानी के सभी दुकानों को बंद रखने की घोषणा की गई है। गुवाहाटी शहर समेत अनेक स्थानों पर रामभक्त बाइक रैलियां तथा अन्य जुलूस आदि निकालते देखे गए। पूरा राज्य राम में हो गया है।

मिजोरम में सड़क हादसा, दो की मौत चार घायल

एजल (हि.स.)। मिजोरम के वैरेंगटी में हुए भीषण सड़क हादसे में दो श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि अन्य चार गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नियंत्रण खोने के बाद एक बोलेरो पिकअप गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। रिपोर्टों के अनुसार, असम के सिलचर के कई मजदूरों के साथ मिजोरम के लिए एक बोलेरो पिकअप वाहन रवाना हुआ था। मिजोरम के वैरेंगटी जाने के बाद वाहन अचानक नियंत्रण खो बैठा और करीब 350 फीट गहरी खाई में जा गिरा। जिसके चलते दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। दोनों मृतक मजदूरों की पहचान कछार के लक्षीपुर सिरीपार निवासी सद्दाम हुसैन और मणिपुर के बिष्णुपुर जिला निवासी गुलमेई गाइलेनगाम के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विदेशी नंबर से आए कॉल तो हो जाएं सतर्क...

ऑनलाइन जालसाजों को लेकर गृह मंत्रालय ने जारी की अलर्ट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया मैसेजिंग प्लेफॉर्म व्हाट्सएप पर होने वाले कई घोटालों के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले पुलिस थिंक टैंक ने सलाह और चेतावनी जारी की है। ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरडी) ने सात तरह की ऐसी धोखाधड़ी की पहचान की है। जिसमें मिस्ड कॉल, वीडियो कॉल, नौकरी की पेशकश और निवेश योजनाओं के नाम पर धोखाधड़ी, अपहरण और स्क्रीन शेयर शामिल हैं। आठ पेज की एडवाइजरी में कहा गया कि हाइजैकिंग घोटाले के हिस्से के रूप में घोटालेबाज पीड़ित के व्हाट्सएप खाते तक अनधिकृत पहुंच बनाते हैं और उनसे संपर्क कर पैसे की डिमांड करते हैं। यहां तक कि कुछ लोगों को अज्ञात नंबरों से व्हाट्सअप वीडियो कॉल भी आते हैं, आपत्तिजनक वीडियो बनाकर धमकाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही ब्लैकमेल के बदले पैसे मांगते हैं। बीपीआरडी गृह मंत्रालय के तहत पुलिसिंग विषयों पर एक थिंक टैंक है। गौरतलब है कि प्रौद्योगिकी प्रमुख मेटा के स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म द्वारा लाए गए सुरक्षा सुविधाओं के बारे में जनता को विज्ञापन देने के लिए हाल ही में कई संदेश अभियान शुरू किए हैं। बीपीआरडी ने कहा कि ज्यादातर वियतनाम, केन्या, इथियोपिया और मलेशिया से संबंधित देश कोड से शुरू होने वाले नंबरों से किए गए मिस्ड कॉल के जरिए हैकर्स उपयोगकर्ताओं को ढूंढने के लिए *कोड स्क्रिप्टेड बॉट* का उपयोग करते हैं और फिर उन्हें विभिन्न साइबर खतरों के लिए लक्षित करते हैं। खास बात है कि घोटाले बाज एक फ्रॉड कॉल करके सीईओ या वरिष्ठ अधिकारी होने का दावा करते हैं, जिसके कारण पीड़ित व्यक्ति झांसे में आकर वित्तीय लेन-देन में फंस जाता है। जालसाज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सर्फिंग करके उन व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करते हैं और उनके नाम की एक प्रोफाइल बनाते हैं।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। एसटीएफ की एक टीम ने वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट इलाके में अभियान चलाकर एक ड्रग्स तस्कर को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने रविवार को बताया कि बीती रात इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में जोराबाट पुलिस आउट पोस्ट इलाके के दस माइल में चलाए गए अभियान के दौरान एक ड्रग्स तस्कर अमीनूल इस्लाम (27, छयगांव) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से हेरोइन से भरे 22 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी, जिसका वजन लगभग 29 ग्राम आंका गया है। नगद रुपए आठ सौ रुपए, एक मोबाइल फोन, ड्रग्स तस्करी के लिए व्यवहार की जा रही स्कूटी (एएस-01बीके-9968) बरामद की गई है।

भारत का मेडिकल हब बन रहा गुजरात : पीएम

रामेश्वरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में गुजरात ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि आज गुजरात भारत का बड़ा मेडिकल हब बन रहा है। 2002 तक गुजरात में सिर्फ 11 मेडिकल कॉलेज थे, आज उनकी संख्या बढ़कर 40 हो गई है। 20 वर्षों में यहां एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर पांच गुना हुई हैं, पीजी सीटों की संख्या बढ़कर तीन गुना हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य में 30 नए कैंसर अस्पताल खोले गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कैंसर रोगियों को इलाज के वक्त किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। पिछले नौ वर्षों में 30 नए कैंसर अस्पताल खुले हैं, जबकि 10 और ऐसे अस्पतालों पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने लगभग 1.5 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए हैं। उन्होंने कहा कि ये मंदिर कैंसर और गंभीर बीमारियों का जल्द पता लगाने पर ध्यान केंद्रित करता हैं। कैंसर की जानकारी जल्द मिलने से डॉक्टरों को इलाज करने में मदद मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से छह करोड़ लोगों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में केंद्र द्वारा किए गए प्रयासों से महिलाओं को काफी फायदा हुआ है।

सरकार सुनिश्चित कर रही है कि राज्य के कोने-कोने तक न्याय पहुंचे : सीएम

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को कहा कि त्रिपुरा सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि अंतिम छोर तक के लोगों को भी न्याय मिले। सीएम ने यहां रवींद्र भवन में राज्यत्व दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। माणिक साहा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को *राम राज्य* की तरह चलाने की कोशिश कर रहे हैं, जहां अंतिम छोर के लोगों को भी न्याय मिले और उन्हें अपने विचार व्यक्त करने की गुंजाइश मिले। हम भी राज्य चलाने के लिए उनका अनुसरण करने की कोशिश कर रहे हैं। साहा ने कहा कि सरकार ने केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए पहले से ही एक सुशासन कार्यक्रम शुरू कर दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी छूट न जाए। लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का आह्वान करते हुए सीएम ने कहा कि पीएम के हाथों को मजबूत करने का मतलब देश और राज्यों को मजबूत करना है।

पृष्ठ एक का शेष

प्रभु श्रीराम के...

लगभग सभी नेताओं ने समारोह में भाग लेने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस ने इसे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यक्रम बताया है। कई ऐसे लोग भी हैं जो इस सूची में शामिल नहीं हैं लेकिन वे अनूठे अंदाज - पैदल, साइकिल चलाकर और स्केटिंग करके अयोध्या पहुंच रहे हैं। इस भव्य समारोह के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से उपहार भेजे जा रहे हैं जिनमें भगवान राम की तस्वीर वाली चूड़ियों से लेकर 56 किस्म के *पेठा* और 500 किलो का लोहे-कांसे का *नगाड़ा* और अमरावती से आ रहा 500 किलो *कुमकुम* शामिल है। राम मंदिर प्रबंधन समिति को 108 फुट की अगरबत्ती, 2,100 किलो की घंटी, सोने की चप्पल, 10 फुट ऊंचा ताला और चाभी और आठवीं सदी का समय बताने वाली एक घड़ी समेत कई उपहार मिले हैं। नेपाल में सीता के जन्म स्थान जनकपुर से 3,000 से अधिक उपहार भी आए हैं। श्रीलंका का एक प्रतिनिधिमंडल रामायण में उल्लेखित अशोक वाटिका से एक विशेष उपहार लाया है। इस्कॉन के निहंग सिख और देशभर के मंदिर न्यास से लेकर अयोध्या में स्थानीय लोग यहां श्रद्धालुओं को भोजन कराने के लिए *लंगर* दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नौ नवंबर 2019 को राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मुकदमे में निर्णय देते हुए विवादित स्थल पर मंदिर बनाने और मुस्लिमों को अयोध्या में किसी प्रमुख स्थान पर मस्जिद बनाने के लिए पांच एकड़ जमीन देने का आदेश दिया था। दिसंबर 1992 में *कारसेवकों* ने विवादित स्थल पर मौजूद बाबरी मस्जिद को ढहा दिया था।

कड़वाहट खत्म कर ...

प्राण-प्रतिष्ठा के संदर्भ में लिखा गया है। इस लेख में उन्होंने लिखा है कि राम मंदिर को लेकर जो भी कड़वाहट पैदा हुई है वो खत्म होनी चाहिए। विवाद खत्म करने के लिए समाज के प्रबुद्ध लोगों को भी कदम उठाने होंगे। अयोध्या की नई पहचान ऐसी होनी चाहिए कि यहां युद्ध का जिक्र ना हो। मोहन भागवत ने लिखा कि भारत में वर्षों से कई आक्रमणकारी आते रहे, जिनसे लड़ने में भारत ने लगातार संघर्ष किया है। इन आक्रमणकारियों का उद्देश्य लूटपाट करना होता था। इस्लाम के नाम पर जितने भी आक्रमण हुए है वो देश में अलगाव लेकर आए है। विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत के मंदिरों को भी ध्वस्त कर दिया था। आक्रमणकारियों ने ऐसा एक बार नहीं बल्कि कई बार किया क्योंकि उनका उद्देश्य भारतीय समाज को हतोत्साहित और कमजोर करना था। अयोध्या में प्रभु श्री राम के मंदिर को भी इसी मनोदशा के साथ विध्वंस किया गया था। विदेशी आक्रमणकारियों के उलट भारतीय शासकों ने कभी कहीं आक्रमण नहीं किया। लेकिन विश्व के कई शासकों ने भारत को निशाना बनाया और उनको तोड़ने की कोशिश की। हालांकि भारत के लोगों का मनोबल नहीं टूटा। यही कारण रहा कि भारत में बार बार मंदिर बनने के प्रयास किए गए।

स्कूल-कॉलेज में ...

मैं सभी प्राइवेट शैक्षणिक संस्थाओं के लिए भी निवेदन करता हूं कि वे भी कल छुट्टी दे दें। खबरों के मुताबिक, उन्होंने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा वाले दिन असम के लोग और विधायक सभी राज्य के विभिन्न मंदिरों, मस्जिदों और चर्च में सफाई अभियान चलाएंगे। सीएम शर्मा ने कहा कि यह भारतीय सभ्यता की विजय है। मैं असम के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। कल शाम 4 बजे तक मांस, मछली की दुकानें और बाजार बंद रहेंगे। कल सभी शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी। होटलों में भी दोपहर दो बजे से पहले नॉन वेज खाना नहीं परोसा जाएगा। शाम चार बजे के बाद वे सभी अपना काम दोबारा शुरू कर सकते हैं। सबसे पहले प्राण-प्रतिष्ठा के दिन अवकाश की घोषणा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। इसके बाद हरियाणा, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान समेत कई राज्यों में आधे दिन की छुट्टी का एलान किया गया। बीते दिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी 22 जनवरी को स्कूल-कॉलेजों की छुट्टी और सरकारी दफ्तरों में आधे दिन के अवकाश की घोषणा की है। पूरी अयोध्या नगरी भगवान राम के स्वागत के लिए पूरी तरह से तैयार है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए पूरे शहर को फूलों से खूबसूरत तरीके से सजाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे और इस समारोह के लिए 7 हजार से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। लोगों के लिए इसके लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था की गई है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत...

यह मंदिर उस अटूट विश्वास और उदारता का प्रमाण है जो किसी सीमा से परे किसी मंदिर के तीर्थाटन के लिए पूरे देश को जोड़ती है। यह विचारपुंज प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्याधाम में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर रविवार को भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने बिखेरे हैं। पीआईबी के अनुसार, मंदिर का मुख्य भाग राजसीठाठ-बाट लिए हुए है। यह राजस्थान के मकराना संगमरमर की प्राचीन श्वेत शोभा से सुसज्जित है। इस मंदिर में देवताओं की उत्कृष्ट नक्काशी कर्नाटक के चर्मोथी बलुआ पत्थर पर की गई है। जबकि, प्रवेश द्वार की भव्य आकृतियों में राजस्थान के बंसी पहाड़पुर के गुलाबी बलुआ पत्थर का उपयोग किया गया है। इस मंदिर के लिए भक्तों का किया गया योगदान निर्माण सामग्री से कहीं आगे तक जाता है। मंदिर में गुजरात की उदारता उपहार स्वरूप 2100 किलोग्राम की शानदार अष्टधातु घंटी के रूप में दिखती है जो इसके हॉलों में दिव्य धुन के रूप में गूंजेगी। इस दिव्य घंटी के साथ गुजरात ने एक विशेष नगाड़ा ले जाने वाला अखिल भारतीय दरबार समाज द्वारा तैयार 700 किलोग्राम का रथ भी उपहार स्वरूप दिया है। भगवान राम की मूर्ति बनाने में इस्तेमाल किया गया काला पत्थर कर्नाटक से आया है। हिमालय की तलहटी से अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा ने जटिल नक्काशीदार लकड़ी के दरवाजे और हस्तनिर्मित संरचना पेश किए हैं, जो दिव्य क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में खड़े हैं। इस विशेष विज्ञप्ति के अनुसार, इस भव्य और दिव्य मंदिर के लिए योगदान की सूची यहीं खत्म नहीं होती। पीतल के बर्तन उत्तर प्रदेश से तो पॉलिश की हुई सागौन की लकड़ी महाराष्ट्र से आई है। इस राम मंदिर की कहानी सिर्फ सामग्री और उसकी भौगोलिक उत्पत्ति के बारे में नहीं है। यह उन अनगिनत हजारों प्रतिभाशाली शिल्पकारों और कारीगरों की कहानी है जिन्होंने मंदिर निर्माण के इस पवित्र प्रयास में अपना दिल, आत्मा और कौशल डाला है। राम मंदिर अयोध्या में सिर्फ एक स्मारक नहीं है; यह विश्वास की एकजुट शक्ति का जीवंत प्रमाण है। हर पत्थर, हर नक्काशी, हर घंटी, हर संरचना एक भारत, श्रेष्ठ भारत की कहानी कहती है जो भौगोलिक सीमाओं से परे सामूहिक आध्यात्मिक यात्रा में दिलों को जोड़ता है।

राहुल दोपहर तीन...

में राहुल गांधी का स्वागत है, वह कभी भी यहां दर्शन करने आ सकते हैं। लेकिन कल अयोध्या में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा के समय राहुल गांधी के यहां आने से तकनीकी दिक्कत आ सकती है। राहुल गांधी से कहा गया है कि वह सुबह के बदले दोपहर तीन बजे के बाद यहां आ सकते हैं। राहुल गांधी की प्रस्तावित यात्रा से 22 जनवरी को सुबह 8 से 9 बजे के बीच निर्धारित की गई थी। इसलिए श्रीश्री बटद्रवा थान संचालन समिति के अध्यक्ष जोगेंद्र नारायण देव महंत ने मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है।

राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा ...

के बाद बटद्रव्य सत्र आएं। शर्मा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 22 जनवरी को बटद्रव में श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान की यात्रा करने से बचना चाहिए, क्योंकि भगवान राम और मध्ययुगीन वैष्णव संत के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं हो सकती है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दिन राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा द्वारा लिए जाने वाले अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों के संवेदनशील मार्गों पर कमांडो तैनात किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राहुल गांधी से अनुरोध करेंगे कि वह राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान सोमवार को बटद्रव नहीं जाएं क्योंकि यह असम को गलत रोशनी में दर्शाएगा। वह अनावश्यक प्रतिस्पर्धा पैदा किए बिना प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार के लिए कांग्रेस ने मोरीगांव, जागीरोड और नेल्ली के संवेदनशील इलाकों से होकर जाने वाले मार्ग को चुना, जिससे बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र संवेदनशील हैं और मैं कानून व्यवस्था की किसी भी तरह की स्थिति से इनकार नहीं कर सकता और ऐसे में कमांडो अल्पसंख्यक बहुल इलाकों के संवेदनशील मार्गों पर तैनात किए जाएंगे, जिन पर 22 जनवरी को राहुल गांधी की यात्रा होगी। शर्मा ने कहा कि जिला आयुक्तों और इन क्षेत्रों के पुलिस अधीक्षकों को गश्त बढ़ाने और कड़ी निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। गुवाहाटी में शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी पहले तो मुझसे डरते थे, अब मेरे बच्चे से भी डरना शुरू कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि सरकारी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय सहित सभी शैक्षणिक संस्थान कल पूरे दिन के लिए बंद रहेंगे। मैं निजी शिक्षण संस्थानों से भी कल बंद रहने की अपील करता हूं। विधायकों सहित असम के लोगों ने मंदिरों, मस्जिदों, चर्चों सहित कई धार्मिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान में भाग लिया है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को कल असम में बटद्रवथान में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। थान प्रबंधन समिति का कहना है कि कल राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा है और थान में कई श्रद्धालु आएंगे। इसके अलावा थान परिसर के बाहर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जहां हजारों श्रद्धालु जुटेंगे। इसी वजह से राहुल गांधी का यात्रा कार्यक्रम दोपहर तीन बजे के बाद होगा।

जयराम रमेश की ...

करने और आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने जयराम रमेश की एक्स पोस्ट को भी डीजीपी के साथ साझा करते हुए लिखा कि कृपया मामला दर्ज करें और आरोपों की जांच करें। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को आरोप लगाया कि असम के शोणितपुर जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ ने उनके वाहन पर हमला किया। रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह भी आरोप लगाया कि कार पर पानी फेंका और नारेबाजी की। जयराम रमेश ने कहा कि मेरे वाहन पर कुछ मिनट पहले जामुगुरीहाट, शोणितपुर में एक अनियंत्रित भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ ने हमला किया, जिन्होंने विंडशील्ड से भारत जोड़ो न्याय यात्रा के स्टिकर भी फाड़ दिए, पानी फेंका और नारे लगाए। इस पर हमने अपना संयम बनाए रखा, हाथ हिलाया गुंडे भाग गए। सोशल मीडिया पर रमेश ने एक वीडियो भी साझा किया। वीडियो में उनकी कार को कुछ लोगों को रोकते हुए देखा गया। जिनमें से कुछ के हाथ में भाजपा के झंडे थे। जब कार आगे बढ़ने की कोशिश कर रही थी, तब भी रमेश को बाहर लोगों की ओर हाथ हिलाते देखा जा सकता था।कांग्रेस नेता ने इस घटना के लिए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को भी जिम्मेदार ठहराया।रमेश ने कहा कि यह निस्संदेह असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व का काम है। हम डरे हुए नहीं हैं और संघर्ष करेंगे। इस संबंध में शोणितपुर के एसपी सुशांत विश्व शर्मा ने इस खबर की पुष्टि नहीं की है।

हम सीएम से डरते...

सकते हैं। राहुल गांधी और असम की जनता मुख्यमंत्री से डरते नहीं हैं, उन्हें जो करना है, कर लें। वायनाड सांसद ने कहा कि असम के युवाओं और किसानों पर अन्याय हो रहा है। यहां के युवा लाखों रुपये लगाकर स्कूल-कॉलेज जाते हैं, लेकिन फिर पता चलता है कि असम में उन्हें रोजगार नहीं मिल सकता। किसानों को फसल का सही दाम नहीं मिलता, छोटे दुकानदारों को नोटबंदी और जीएसटी से बर्बाद कर दिया गया। क्या किसी को नोटबंदी और जीएसटी से फायदा हुआ? उन्होंने कहा कि असम की सरकार एक परिवार के लिए चलाई जा रही है और देश की पूरी सरकार चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए चलाई जाती है। इसी के खिलाफ हमने *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* निकाली है। उन्होंने आगे टी गार्डन के मजदूरों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आपके मुद्दे सुनना और उनके लिए लड़ाई लड़ना ही भारत जोड़ो न्याय यात्रा का लक्ष्य है। आप लोगों ने हमारी मदद की, हमारी बात प्यार से सुनी, इसके लिए मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देता है। एक बात सुन लीजिए कि चुनाव में भाजपा को कांग्रेस भारी बहुमत से हराने जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मैं जानता हूं कि हमारे कार्यकर्ताओं को धमकाया जाता है, लेकिन आप हमारी विचारधारा के लिए लड़ते हैं। आप हमारे बब्बर शेर हैं।

राज्य को विभाजित ...

सभी सुरक्षा बलों से विनम्र अनुरोध है कि वे इस विशेष मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान केंद्रित करें और निर्दोष लोगों के जीवन की रक्षा करें। इसके अलावा, राष्ट्र के साथ-साथ राज्य की क्षेत्रीय अखंडता को बरकरार रखें।

शोणितपुर में अफरा-तफरी...

सुरक्षाकर्मियों और कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को तत्काल बस के अंदर जाने को कहा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राहुल बस से नीचे उतरते हैं। आस-पास दर्जनों लोग मौजूद थे। हथियारबंद सुरक्षाकर्मी भी राहुल के पास ही दिखे। इसी बीच चंद सेकेंड के भीतर राहुल को वापस बस में भेजा गया। राहुल के आसपास पहुंचे लोगों के मामले को सुरक्षा में चूक की तरह भी देखा जा गया। असम के नगांव में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा बहुत अच्छी चल रही है। ये देखकर भाजपा के लोग घबरा गए हैं। उन्होंने हमारे पीसीसी अध्यक्ष पर हमला किया, लेकिन वो डरने वाले नहीं हैं। वो कांग्रेस के एक सिपाही हैं। कांग्रेस किसी से डरने वाली नहीं है। बकौल खड़गे यह *मेरी बिल्ली मुझसे ही म्याऊं* जैसा है। जो बिल्ली कभी हमारे पास हुआ करती थी वह अब हम पर म्याऊं-म्याऊं कर रही है। हमने पहले भी ऐसे कई लोगों को देखा है। हम कभी नहीं डरेंगे, ये कांग्रेस का वादा है। बता दें कि हिमंत विश्व शर्मा कभी कांग्रेस के बड़े नेता रहे थे। अब भाजपा नेता और प्रदेश के मुखिया के रूप में उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। इससे पहले असम की कांग्रेस इकाई ने दावा किया कि असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा पर भाजपा समर्थकों के एक समूह ने कथित तौर पर हमला किया। घटना रविवार को असम के शोणितपुर जिले के जमुगुरीहाट इलाके की बताई गई। हमले में कथित तौर पर भूपेन बोरा की नाक पर चोट आई है। उनको इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। उल्लेखनीय है कि असम के शोणितपुर जिले के एसपी सुशांत विश्व शर्मा हैं। एसपी सुशांत असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के भाई हैं। ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कथित हमले का मामला राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील और बड़ा बनने की आशंका है।

राम मंदिर को बम...

थानाक्षेत्र के बलुआ कलियागंज गांव में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी ने 19 जनवरी को 112 नंबर (जिस नंबर पर नागरिक आपातकालीन सहायता मांगते हैं) पर डायल कर कहा था कि उसका नाम छोटा शकील है और वह दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आरोपी ने फोन पर यह भी कहा था कि वह 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर को उड़ा देगा। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन मानसिक रूप से वह अस्थिर लगता है। सोमवार को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह होगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस कॉल के आने के बाद उसके बारे में साइबर सेल को सूचित किया गया। जिस मोबाइल नंबर से आरोपी ने कॉल किया था वह उसके पिता के नाम पर पंजीकृत पाया गया। उन्होंने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पलासी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

मुख्यमंत्री का...

रविवार को यहां लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा था कि हिमंत विश्व शर्मा असम के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं, शर्मा का परिवार और उनके बच्चे भी भ्रष्टाचार में शामिल हैं। राहुल गांधी ने अपनी न्याय यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री को सलाह दी थी कि उन्हें भाजपा शासित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से सबक लेना चाहिए कि भ्रष्टाचार कैसे किया जाता है। राहुल के इस बयान पर पलटवार करते हुए रविवार को मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि भोपाल गैस कांड के मुख्य आरोपित- वारेन एंडरसन के देश से फरार होने में राहुल गांधी के परिवार का हाथ था। बोफोर्स घोटाला के मुख्य आरोपित के पलायन के पीछे आपका परिवार का ही हाथ था। टूजी घोटाला और कोयला घोटाला आप ही के परिवार के संरक्षण में हुआ था। इन घोटालों में जितने पैसों की चोरी की गई थी, वह असम की जीडीपी से पांच गुना अधिक हैं। डॉ शर्मा ने कहा कि हैरानी की बात यह हैं कि आप भ्रष्टाचार में लिप्त होकर दूसरे को भ्रष्ट कहने का साहस रखते हैं। असम की जनता ने आपकी इस *न्याय यात्रा* का करारा जवाब दिया। मैं आपकी हताशा को समझ सकता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी पहले तो मुझसे डरते थे, अब मेरे परिवार और मेरे बच्चों से भी डर रहे हैं।

सीएम मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी का भ्रष्टाचार चुनाव के दौरान बनेगा जोरदार मुद्दा

विरोधी ऐक्य मंच की बैठक में सर्वसम्मति बनी

विश्वनाथ (हि.स.)। विश्वनाथ जिले के गहपुर में रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की असम के विरोधी ऐक्य मंच के नेताओं के साथ हुई बैठक में इस बात पर सर्वसम्मति बनी कि मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी पर भ्रष्टाचार को चुनाव के दौरान जोरदार मुद्दा बनाया जाएगा। राज्य की जनता को बताया जाएगा कि किस प्रकार सरकारी मशीनरी का कथित दुरुपयोग करके मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी भ्रष्टाचार में शामिल हैं। बैठक में कांग्रेस समेत 15 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में सत्तारूढ़ भाजपा के विरुद्ध एजेंडा के संदर्भ में राहुल गांधी के साथ विस्तारपूर्वक इन नेताओं ने चर्चा की। इस बैठक में राहुल गांधी के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा, आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष भवेन चौधरी, असम जातीय परिषद के लुरिन ज्योति गोगोई, राइजर दल के नेता अखिल गोगोई, सीपीआई के पिंकूमणि दत्त, कनक गोगोई, सीपीआईएम के विधायक मनोरंजन तालुकदार, राजद के स्वर्ण हजारिका, शिवसेना (उधव) के राम नारायण सिंह, एपीएसएलसी के जॉन इंग्ती तथा असम जातीय दल के दिगंत कोंवर, विशिष्ट समाज सेवक योगेंद्र यादव आदि नेता मौजूद थे। सभी दलों के नेताओं के बीच आपस में समन्वय को लेकर बैठक में चर्चा की गई। लोकसभा चुनाव में दो माह का समय शेष रहते हुए किस प्रकार चुनाव के लिए तैयारी की जाए, इस पर कई प्रकार से नेताओं ने अपने-अपने विचार रखे। राहुल गांधी ने आश्वासन दिया कि चुनाव के दौरान असम प्रदेश कांग्रेस की ओर से जारी किए जाने वाले पोस्टर-बैनर में पूरे मंच के मुद्दों को शामिल किया जाएगा। इस मंच तथा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा को इसका दायित्व दिया गया।

जेल जाने से बचने के लिए थामा था भाजपा का दामन : भूपेन बोरा

विश्वनाथ। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा ने हिमंत विश्व शर्मा को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने 20 जनवरी को दावा किया कि हिमंत विश्व शर्मा जेल जाने के डर से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। भूपेन बोरा ने कहा कि शर्मा संभावित कानूनी परेशानियों खासतौर से विशेषकर जेल जाने के डर को लेकर काफी चिंतित थे। भूपेन बोरा ने अपनी पत्नी के साथ शर्मा की बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि उसने कहा था कि वो जेल नहीं जा सकता है। भूपेन बोरा ने कहा कि इस बातचीत के बाद सिर्फ दो दिन में ही हिमंत विश्व शर्मा ने भाजपा में शामिल होने का फैसला कर लिया था। बोरा ने शर्मा के पाला बदलने के आसपास की परिस्थितियों पर बोलते हुए 2014 की राजनीतिक पृष्ठभूमि का खुलासा किया। उस समय भाजपा नेता एसएस अहलूवालिया ने गुवाहाटी में घोषणा की कि लुईस बर्जर और सारदा घोटालों सहित भ्रष्टाचार के मामलों को फिर से खोला जाएगा। इसके साथ ही शर्मा की पत्नी को दो बार कोलकाता स्थित सीबीआई कार्यालय में बुलाया गया था। घटनाओं के क्रम पर प्रकाश डालते हुए बोरा ने दावा किया कि शर्मा ने भाजपा में शामिल होने से दो दिन पहले दिल्ली में उनसे संपर्क किया था। बोरा ने तरुण गोगोई के कार्यकाल के बाद कांग्रेस पार्टी के भीतर अपने भविष्य पर भरोसा जताते हुए शर्मा को इंतजार करने की सलाह दी। हालाँकि शर्मा ने कथित तौर पर एक अलग मकसद का खुलासा किया जिसमें कहा गया कि उन्हें भाजपा में शामिल होना पड़ा क्योंकि उन्हें कांग्रेस में अपने लिए कोई भविष्य नहीं दिख रहा था। बोरा ने अब कांग्रेस के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के लिए शर्मा की आलोचना करते हुए कहा कि कानूनी नतीजों के डर से शर्मा खुद भाजपा में शामिल हो गए हैं।

जय श्रीराम के नारों से गूंज रहा है कोकराझाड़, फकीराग्राम ओर चितला

कोकराझाड़। अयोध्या में आगामी कल सोमवार को रामलाला की मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम का आयोजन होना है इसको लेकर कोकराझाड़ जिले में आज से ही विभिन्न कार्यक्रम के साथ जय श्रीराम के नारे गुज रहा है वहीं कोकराझाड़ जिले के प्रतिष्ठित व्यपारी संतोष साहा नें चितला में श्रीराम जी की बड़ा बड़ा पोस्टर साथ ही देश के प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी, असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ओर नेताजी सुभाष चंद्र बोस का बड़ा बड़ा पोस्टर लगाया गया है ओर आज सांकड़ों लोग इकठा होकर आज में राम जी की झंडा लेकर जय श्रीराम की नारे लगाए। ओर चितला, फकीराग्राम ओर कोकराझाड़ में श्रीराम जी ला झंडा लगया गया है।

ब्रह्मपुत्र में तैरते मिला शव

धुबड़ी (हि.स.)। जिला के फकीरगंज के नामासला में आज एक व्यक्ति का शव देखे जाने को लेकर सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने फकीरगंज थाने के अंतर्गत नमसाला में सुबह ब्रह्मपुत्र नद में एक शव देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फकीरगंज पुलिस ने शव को नद से बाहर निकाला। शव की पहचान नहीं हो पाई।

कामपुर में रेलवे ट्रैक पर मिला शव

नगांव (हि.स.)। नगांव जिलांतर्गत कामपुर-चापरमुख को जोड़ने वाले रेलवे ट्रैक पर आज एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची रेलवे पुलिस ने ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस सूत्रों ने आशंका जतायी है कि घटना चलती ट्रेन से गिरने की वजह से घटी होगी। रेलवे पुलिस शव की शिनाख्त करने में जुटी हुई है। हालांकि, मृतक के एक हाथ पर बलाई विश्वास लिखा हुआ है।

लखपति बहनों का प्र-पत्र वितरण 23 को

रंगिया (विभास)। असम राज्य ग्रामीण आजीविका अभियान के तहत पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों की सदस्याओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद करने के उद्देश्य से असम सरकार की मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता मिशन के तहत कामरूप जिले में 23 जनवरी को प्र-पत्र वितरण का काम हाथों में लिया गया है। जोकि उसी दिन सुबह 9 बजे से प्रत्येक गांव पंचायत कार्यालय में इसका वितरण प्रारंभ किया जाएगा। असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक सुमित प्रसाद दास ने कहा कि फॉर्म के वितरण के लिए जिले के 139 गांव पंचायतों के प्रत्येक कार्यालय में एक काउंटर खोला गया है। उन्होंने कहा कि काउंटर केवल 23 जनवरी को खुले रहेंगे। यहां पंजीकृत ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूहों के प्रत्येक सदस्य को, जिनके पास अपने स्वयं के आधार से जुड़े बैंक खाते हैं, उत्पादक कार्यों के लिए 10,000 रुपए करके एककालिक सहायता प्रदान की जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पैसा निजी कार्यों पर खर्च नहीं किया जा सकता। सरकार पहले चरण में असम के ग्रामीण इलाकों में प्रत्येक महिला को 10,000 रुपए की एककालीन सहायता प्रदान करेगी, जिसका उद्देश्य उन्हें प्रति वर्ष कम से कम 1 लाख रुपए कमाने में सक्षम बनाना है। दास ने संकेत दिया कि अगले चरण में और अधिक वित्तीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसलिए, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से कामरूप जिले के विकास आयुक्त नरसिंह बे और जिला ग्रामीण विकास अभिकरण प्रकल्प संचालक पराग कुमार काकति द्वारा आग्रह किया गया कि वे उस दिन अपने-अपने क्षेत्र के ग्राम पंचायत कार्यालयों में जाकर प्र-पत्र संग्रह कर लें।

भगवान राम जैसे हमें सजने-संवरने का प्रयास करना चाहिए : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में विराजित आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में रविवार को एक धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या एक ऐसा तीर्थ है जो जैन धर्म में शाश्वत तीर्थ है। जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों का जन्म भी अयोध्या में हुआ है। और भगवान राम का जन्म भी अयोध्या में हुआ है। भगवान राम में 24 भगवान पुरे समाहित हो तो कोई आचार्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि राम के पहले अक्षर र: से ऋषभनाथ होता है और म: से महावीर होता है। राम-राम जपने से 24 तीर्थंकरों की वंदना होती है तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है। आज हर शहर, हर गली, हर मोहल्ला, हर घर दीपों से सज रहा है। वैसे ही हमें अपने मन को भी सजने-संवारने का प्रयास करना चाहिए। भगवान राम को हमें अपने जीवन में स्थान देना चाहिए और अहिंसा परमो- धर्म को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। मालूम हो कि सूर्य पहाड़ अतिशय क्षेत्र की 24 वेदी का कार्य अतिशीघ्र संपूर्ण हो जाएगा। जिसका पंचकल्याणक महोत्सव आगामी 26 जनवरी से गुवाहाटी में आयोजित होगा। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के सभी मुख्य पात्रों, इन्द्र- इन्द्राणियों, सामान्य इन्द्र- इन्द्राणियों, सहभागी सभी पात्रों एवं मूर्ति स्थापित करने वाले सभी सौभाग्यशाली परिवारों का रविवार को भगवान महावीर धर्म स्थल मे सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से सामाजिक अभिनंदन किया गया एवं इस अभिनंदन समारोह में सन् 2016 में गुवाहाटी में संपन्न हुए पंचकल्याणक के सभी पात्रों को भी आमंत्रित किया गया। प्रचार-प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि इस अवसर पर समाज के गनमान्य लोगों के अलावा काफी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित।

क्षमता से अधिक ट्रक में लाए गए आठ मवेशियों की मौत

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिलांतर्गत बोकाखात के बिहरा साप्ताहिक मवेशी बाजार में मवेशियों की मौत को लेकर आज सनसनी फैल गई। ट्रकों में ढोए जा रहे ओवरलोड मवेशियों के कारण आठ मवेशियों की मौत हो गई। बोकाखात के बिहरा में रविवार को साप्ताहिक पशु बाजार चलता है। बाजार में हजारों की संख्या में गायें लाई जाती हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर से व्यापारी मवेशियों को बाजार में लाने लगते हैं। इसी कड़ी में सदिया से दो ट्रकों (एएस-02डीसी-4814 एवं एएस-01एनसी-6615) में लाए गए मवेशियों के अत्यधिक परिवहन के कारण आठ मवेशियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिहरा के साप्ताहिक मवेशी बाजार में कोई बुनियादी पशु चिकित्सा उपाय नहीं है, चारा और पर्याप्त पानी का कोई प्रबंध नहीं है। बाजार प्रशासन के अनुसार जिन मवेशियों की मौत आज बाजार में लाते समय हुई है, संभवत: ट्रक में क्षमता से अधिक पशुओं को लादे जाने के कारण हुई है। उल्लेखनीय है कि बिना कैटल परमिट के वाहनों से बिहरा साप्ताहिक पशु बाजार में मवेशियों की आपूर्ति की जाती है। किसी भी वाहन में कोई कैटल परमिट नहीं है। सवाल उठता है कि क्या इस तरह से गायों की आपूर्ति के बाद भी पुलिस या पशुपालन विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं है? गौरतलब है कि बाजार के पीछे लोगों की नजरों के पीछे चार मरे मवेशियों के साथ एक वाहन खड़ा था। दूसरी ओर दूसरे वाहन में सवार चार मवेशियों का कोई अता-पता नहीं है।

दीपोत्सव के साथ मायुमं, होजाई शाखा ने मनाया 40वां मंच स्थापना दिवस

होजाई। दीपोत्सव के साथ मारवाड़ी युवा मंच की होजाई शाखा ने मनाया 40वां मंच स्थापना दिवस। इस उपलक्ष पर मंच के पूर्व अध्यक्षों, जिसमें रमेश मुंदडा, निरंजन सरावगी, प्रवीण सरावगी, सुनील मोर, मुकेश बजाज, नवीन अग्रवाल, अंकुर सराफ, अमित भीमसरिया का सम्मान किया गया। सभी पूर्व अध्यक्षों व वर्तमान अध्यक्ष आशीष अग्रवाल व सचिव अभी मोर सहित सदस्यों ने दी प्रज्जवलित कर मंच के इस पावन दिन को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इसके पश्चात एक केक भी काटी गई। वहीं सभी अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा की सभी सदस्यों को मंच उत्थान में कार्य करना चाहिए व सबको साथ लेते हुए मंच को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे 40 वर्ष पूर्व पूर्वोत्तर में रोपे गए एक छोटे से वीज ने बट वृक्ष का रूप ले लिया है और आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मंच की कई शाखाएं हैं। उक्त कार्यक्रम में समाज के सक्रिय कार्यकर्ता राजू सिंघानिया, मंच सदस्य आशीष कुमार शर्मा, विनय सरावगी, सुमित झावर, निखिल कुमार मूंदड़ा, प्रथम पंसारी सहीत समाज के कई बच्चे उपस्थित थे।

एसएसबी ने किसानों को बीज वितरित किया

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने किसानों को बीज वितरित किए और पूर्वोत्तर में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत पशु चिकित्सा ग्राम ओपीडी का भी संचालन किया। कार्यवाहक कमांडेंट अनुज कुमार के मार्गदर्शन में प्रथम बटालियन एसएसबी द्वारा अपने नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत कामरूप (मेट्रो) जिला के डिमोरिया ब्लॉक के किसानों को बड़ी मात्रा में बीज वितरित किए गए। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में डिमोरिया ब्लॉक के लगभग 230 स्थानीय किसानों की भागीदारी देखी गई। बीज वितरण के अलावा, ब्लॉक पशु औषधालय, सोनापुर के डॉ. ऋषि सोनोवाल के द्वारा डिगारू गांव पंचायत के अंतर्गत घगुआ गांव में मेडिकल सिविक एक्शन का संचालन किया गया।

मणिपुर में बंकर ध्वस्त, हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में लगातार हथियार और गोला-बारूद बरामद किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में मणिपुर पुलिस, मणिपुर राइफल्स, असम राइफल्स, बीएसएफ तथा भारतीय सेना द्वारा चलाए जा रहे अभियानों में दो बंकर ध्वस्त कर दिये गए तथा काफी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार राज्य के सामान्य क्षेत्र लीमाखोंग, कांग्पोकपी में दो बंकर नष्ट कर दिए गए और दो पोम्पी गन, दो 9 मिमी देशी पिस्तौल, एक देशी पिस्तौल, एक रिवॉल्वर (जापान में निर्मित), 7.62 मिमी एलएमजी के 10 गोला-बारूद, आठ गोला-बारूद 7.62 मिमी एके, तीन नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, दो नंबर 36 हैंड ग्रेनेड डेटोनेटर, तीन यूबीजीएल जीटीजी-40 मिमी एचई एमजी-3, एक 51 मोर 3-लॉट नंबर 76 के, एक पोम्पी राउंड, एक आईईडी (वजन- 2.5 किलोग्राम) और एक देशी पिस्तौल मैगजीन कांग्पोकपी जिले के सॉन्गलुंग और के पोनलेन क्षेत्रों से बरामद किया गया। भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित मोरेह तथा अन्य निकटवर्ती जिलों में सुरक्षा बल लगातार छापामारी अभियान चला रहे हैं।

ट्विंकल टोज डांस एकेडमी का वार्षिक समारोह आयोजित

गुवाहाटी। गुवाहाटी के उलुबारी स्थित ट्विंकल टोज डांस एकेडमी का वार्षिक समारोह आज आईटीए सेंटर, माछखोवा के सभागार में आयोजित किया गया। समारोह को देखने के लिए अकादमी के प्रशिक्षणार्थियों के परिजनों के साथ ही बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रशिक्षणार्थियों के विभिन्न प्रकार के नृत्य को देख समारोह में उपस्थित लोग मंत्रमुग्ध हो गए। उल्लेखनीय है कि समारोह का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी गोविंद राम कर्मचंदानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। ज्ञात हो कि ट्विंकल टोज की स्थापना गुवाहाटी में वर्ष 2007 में हुई थी। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर पूनम के निर्देशन में अकादमी में प्रशिक्षु नृत्य की बारिकियां सीख रहे हैं। समारोह के दौरान प्रशिक्षुओं ने मुख्य रूप से कॉन्टेमपरेरी, हिप-हॉप, ब्रोडवे जॉज, एमजे स्टाइल, सेमी क्लासिकल, तमिल फोक, बॉलीवुड मसाला, सालसा आदि प्रकार के नृत्य पेश कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचीं सांसद क्वीन ओझा

धर्म ध्वजा स्थापित कर दो दिवसीय कार्यक्रम का किया शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर सांसद क्वीन ओझा रविवार को चाभीपुल स्थित प्राचीन श्रीराम जानकी मंदिर पहुंची, जहां सांसद ओझा ने वैदिक मंत्रोचारण के बिच धर्म ध्वजा स्थापित कर दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर सांसद ओझा ने कहा की चाभीपुल का श्रीराम जानकी मंदिर प्राचीन मंदिरों में से एक हैं। उन्होंने कहा की ये मेरा सौभाग्य हैं की अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर इस एताहिसिक मंदिर में आने का मुझे मौका मिला। उन्होंने कहा की अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना हर हिंदुओ के लिए गर्व की बात है। इस मौके पर स्थानीय पार्षद शंकर चक्रवर्ती भी मौजूद थे। श्री राम जानकी मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी ने संसद ओझा का राम नाम के दुपट्टे से अभिनंदन किया सांसद उजाले मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रभु श्री राम का आशीर्वाद लिया। तत्पासचात मंदिर के महंत किशोर दास की देखरेख में दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ अखंड रामायण पाठ के साथ हुआ। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार की सुबह 10 बजे चाभीपुल स्थित मंदिर से विराट शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो चाभीपुल, आर्या चौक, रिहाबाड़ी, एटी रोड, आठगांव होते हुए पुनः मंदिर तक पहुंचेगी, जिसमें अधिक से अधिक जनमानस लोगों के शामिल होने की बात कही गई है। वहीं 22 जनवरी को ही संध्या 5 बजे से दीप प्रज्वलन का भव्य कार्यक्रम रखा गया है, जिसमें सभी महानुभावों से पहुंचने की अपील की गई है। इसके पश्चात सायं 7 बजे से भक्तों के लिए प्रसाद स्वरूप अमृत भंडारे का आयोजन मंदिर सेवा समिति की ओर से किया गया है।

एपीएससी परीक्षा में रैंक पाने वाले निलंकार दास सम्मानित

कोकराझाड़। आज एपीएससी परीक्षा में असम में 59 (एसीएस) रेंक पाने वाले सांपटग्राम के निवासी निमाई चंद्र दास एव पारुल दास के पुत्र निलंकार दास को आज सारा असम बंगाली छात्र फेडरेसन के सांपटग्राम आंचलिक समिति के द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान सारा असम बंगाली छात्र फेडरेसन के सांपटग्राम आंचलिक समिति के अध्यक्ष मानिक बोस उपाध्यक्ष बिपुल सिंगहा ओर सचिव मिठून सयाल सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीया

खटाई में पढ़ाई

बीते वर्ष की वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट के निष्कर्ष विचलित करने वाले हैं। निष्कर्ष बताते हैं कि देश के सरकारी स्कूलों में 56 फीसदी किशोर गणित की सामान्य प्रक्रियाएं नहीं कर पाते। करीब 25 फीसदी छात्र क्षेत्रीय भाषा में कक्षा-दो का पाठ भी धाराप्रवाह ढंग से नहीं पढ़ पाते। करीब आधे छात्र यदि भाग व गुणा जैसी सामान्य गणितीय क्रियाएं नहीं कर पाते तो यह हमारे शैक्षिक ढांचे पर सवालिया निशान है। आखिर क्या वजह कि करीब 43 फीसदी छात्र अंग्रेजी के सामान्य वाक्य पढ़ने में असमर्थ हैं? बुधवार को जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट के निष्कर्ष निस्संदेह परेशान करने वाले हैं कि आने वाले भारत का भविष्य कैसा होगा? कालांतर जैसे-तैसे पढ़-लिखकर ये छात्र बेरोजगारों की संख्या बढ़ाने के अलावा और क्या कर सकते हैं? पहली बार देश के 26 राज्यों के 28 जिलों में किशोरों का सर्वेक्षण किया गया। बच्चों की गणित व अंग्रेजी की स्थिति देखकर साफ है कि प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों की बुनियादी पढ़ाई और गणित की शिक्षा में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। दरअसल, एएसईआर के इस सर्वेक्षण में 14 से 18 वर्ष के 34,745 छात्रों को शामिल किया गया था। बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के दो ग्रामीण जिलों तथा शेष राज्यों के एक-एक ग्रामीण जिले को सर्वेक्षण में शामिल किया गया। हालांकि, अच्छी बात यह है कि 14 से 18 वर्ष के करीब 87 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं। लेकिन उनमें से अधिकांश बुनियादी पढ़ने, गणित और अंग्रेजी ज्ञान में बुनियादी कौशल का प्रदर्शन नहीं करते हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि सर्वेक्षण में शामिल नब्बे फीसदी बच्चों के पास स्मार्टफोन हैं और उन्हें यह चलाना बखूबी आता है। सबसे परेशान करने वाला सवाल यह है कि क्यों 25 फीसदी छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा में कक्षा दो का पाठ भी धाराप्रवाह रूप से नहीं पढ़ सके। वैसे गणित व अंग्रेजी में परिस्थितिजन्य व पारिवारिक माहौल के चलते कमजोरी की बात तो समझ में आती है। दरअसल, अकसर बच्चे गणित को एक नीरस विषय के रूप में लेते हैं, जबकि आजकल बिना गणित के जीवन का अर्थशास्त्र चलाना बेहद मुश्किल है। सर्वे का एक पक्ष यह भी कि लड़कियों का क्षेत्रीय भाषा में धाराप्रवाह पाठ पढ़ने का प्रतिशत 76 रहा, जबकि किशोरों में यह प्रतिशत 71 था। जबकि गणित व अंग्रेजी में किशोरों का प्रदर्शन किशोरियों से बेहतर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम में इनकी भागेदारी महज 5.6 प्रतिशत है। सर्वेक्षण में हरियाणा के सिरसा, पंजाब के एसएएस नगर, जम्मू-कश्मीर में अनंतनाग, हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा, राजस्थान में भीलवाड़ा और उत्तराखंड के टेहरी गढ़वाल शामिल थे। दरअसल, इस संकट के सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए। सामान्यतः ग्रामीण इलाकों में अधिकांश बच्चे कमजोर वर्ग या खेती-किसानी से जुड़े परिवारों से आते हैं। अंग्रेजी का कमजोर होना तो समझ में आता है, लेकिन क्षेत्रीय भाषा पठन में फिसड्डी होना चौंकाता है। यह निष्कर्ष सरकारी शिक्षकों की शिक्षण शैली और सीखने की प्रक्रिया में रुचि बढ़ाने की कोशिशों पर भी सवाल उठाता है। समय के साथ-साथ कहीं न कहीं शिक्षकों का वह रुतबा भी कम हुआ है जो छात्रों को सख्त अनुशासन के दायरे में लाता था। शिक्षकों की नियुक्ति के तौर-तरीके, राजनीतिक हस्तक्षेप से होने वाली नियुक्तियां तथा जवाबदेही जैसे सवाल भी सामयिक हैं। एक बड़ा संकट किशोरों के पास स्मार्टफोन का होना और बच्चों को उसकी लत का होना भी है। विडंबना देखिये कि पचास फीसदी से अधिक किशोर-किशोरी गणित की सामान्य जोड़-घटाव की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाते हैं, लेकिन स्मार्टफोन की जटिल प्रक्रिया के संचालन में पारंगत हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही कही जाएगी कि मोबाइल की लत नई पीढ़ी के बच्चों की वह एकाग्रता भंग कर रही है जो उन्हें निरंतर पढ़ाई के लिये चाहिए। आने वाले समय में मोबाइल के अधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभाव भी नजर आएंगे। खासकर आंखों व गर्दन से जुड़े शारीरिक विकार सामने आएंगे। यही वजह है कि जागरूक अभिभावक बच्चों को स्कूल व एक उम्र तक घर में स्मार्टफोन देने को घातक मानते रहे हैं।

> बच्चों की गणित व अंग्रेजी की स्थिति देखकर साफ है कि प्राथमिक विद्यालय स्तर पर बच्चों की बुनियादी पढ़ाई और गणित की शिक्षा में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। दरअसल, एएसईआर के इस सर्वेक्षण में 14 से 18 वर्ष के 34,745 छात्रों को शामिल किया गया था। बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के दो ग्रामीण जिलों तथा शेष राज्यों के एक-एक ग्रामीण जिले को सर्वेक्षण में शामिल किया गया। हालांकि, अच्छी बात यह है कि 14 से 18 वर्ष के करीब 87 फीसदी बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं। लेकिन उनमें से अधिकांश बुनियादी पढ़ने, गणित और अंग्रेजी ज्ञान में बुनियादी कौशल का प्रदर्शन नहीं करते हैं। हालांकि, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि सर्वेक्षण में शामिल नब्बे फीसदी बच्चों के पास स्मार्टफोन हैं और उन्हें यह चलाना बखूबी आता है। सबसे परेशान करने वाला सवाल यह है कि क्यों 25 फीसदी छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा में कक्षा दो का पाठ भी धाराप्रवाह रूप से नहीं पढ़ सके। वैसे गणित व अंग्रेजी में परिस्थितिजन्य व पारिवारिक माहौल के चलते कमजोरी की बात तो समझ में आती है। दरअसल, अकसर बच्चे गणित को एक नीरस विषय के रूप में लेते हैं, जबकि आजकल बिना गणित के जीवन का अर्थशास्त्र चलाना बेहद मुश्किल है।

आदर्श भी हैं और प्रादर्श भी। राम कथा भी हैं और व्यथा भी राम युक्ति भी हैं और मुक्ति भी

जन-मन के लिए तो बस राम आ रहे हैं...!

अजय बोकिल

वोट बैंक पकाने, बनाने और बचाने के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि राम मंदिर में राम लला की पुनः: प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जन-मन क्या सोच रहा है, क्या देख रहा है, क्या सुन रहा है, क्या गुन रहा है, क्या गा रहा है, क्या पा रहा है, क्या मान रहा है, क्या जान रहा है? क्या वह राम लला को ऐतिहासिकता और पौराणिकता के द्वंद्व में देख रहा है, क्या वह राम मंदिर को वास्तु शास्त्र और इंजीनियरिंग के मापदंडों तौल रहा है या फिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को कर्मकांड की परिपूर्णता अथवा अपूर्णता के कर्कश विवादों में तलाश रहा है? क्या वह इसे धर्माधीशों के अहम और तार्किक गतकेबाजी में तलाश रहा है या फिर राजनीतिक दलों के युद्धकांड को ही राम कथा की विडंबना के रूप में देख रहा है? क्या रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भर से आम लोगों के सारे दुख दूर हो जाएंगे? और यह भी कि क्या ऐहिक सुख दुखों का रामबाण इलाज क्या आध्यात्मिक ट्रीटमेंट ही है? अयोध्या में जो हो रहा है, वह एक राजनीतिक दल और एक हिंदू संगठन की महत्वाकांक्षा और संघर्ष का नया राजनीतिक बूस्टर है या फिर दुनिया भर के करोड़ों हिंदुओं के मन की महत आकांक्षा है कि वो राम कथा जो चाहे पौराणिक ही क्यों न हो, असीम आस्था के कैनवास पर एक अद्वितीय अनुभव और चिरकालिक हकीकत में बदले। दसियों आशंकाओं, अड़ंगों, विघ्न प्रक्षेपों और कोपों के बीच इतना तय है कि सदियों बाद कुछ ऐसा मंगलकारी और अनुपम अनुभव देश को हो रहा है, जो धर्मप्राण जनता के रोम रोम को अभिभूत किए दे रहा है। राजनीति इसका बूस्टर हो सकती है, लेकिन उसका असली इंजन तो वो भावुकता है, जिसके आगे हर किंतु-परंतु बेमानी सा है। ऐसा ही एक क्षण सोमनाथ मंदिर के पुनरुद्धार के समय भी आया था, लेकिन वह दिल और दिमाग के अंर्तद्वंद्व में उतना प्रकाशित नहीं हो सका, जितना कि होना चाहिए था। आज की शब्दावली में कहें तो वह 'इवेंट' नहीं बन पाया था। अब सत्ता शास्त्र, धर्मशास्त्र, समाजशास्त्र और नीतिशास्त्र कुछ भी कहें, दावे करें, लेकिन जो होता दिख रहा है, वह करोड़ों जनो के मन की आकांक्षा और सपनो का सजीव प्रतिफलन है। इसे इतिहास कभी खारिज नहीं कर सकेगा। अयोध्या में बहुप्रतीक्षित रामलला की पुनर प्राणप्रतिष्ठा से किसे कितना राजनीतिक लाभ होता है, किसे राजनीतिक मूर्छा मिलती है, यह बात एक आम राम भक्त की निगाह में गौण है। कोई अगर राजनीतिक लाभ ले भी लेगा तो वह कुछ समय के लिए होगा। अंत तो भगवान राम का भी हुआ था, क्योंकि वो मनुष्य रूप थे और हर मनुष्य का, जो खुद को खुदा ही क्यों न समझ ले, अंत निश्चित है। शरीर रूपी राम का भले अंत हुआ हो, लेकिन रामचरित के रूप में वो सदा विद्यमान हैं और रहेंगे। रामराज की स्थापना हमेशा एक एक परिकल्पना-सी लगे, लेकिन कायम रहेगी। वस्तुतः रामराज एक अति आदर्श स्थिति है, जिसे कुशा की तरह हाथ में लेकर राजनीतिक दल उसे जमीन पर उतारने का वचन देते और दंभ पालते रहेंगे। इतिहास क्षण-क्षण आगे सरकेगा, लेकिन राम की लौकिक लीलाएं मनुष्यत्व और देवत्व की लक्ष्मण रेखा को मिटाती रहेंगी। शायद इसीलिए राम मंदिर और उसमें भगवान का राम का प्रतिष्ठापन तो काल की सीमा से परे है। कोई इसे भले ही एक प्रायोजित महाविराट उत्सव के रूप में प्रोजेक्ट करने की कोशिश माने, लेकिन अयोध्या में राम के रूप में सनातन हिंदू धर्म की पुनःप्रतिष्ठा हो यह करोड़ों हिंदुओं के मन की सुप्त आकांक्षा है, इसमें दो राय नहीं। यदि कोई इसे खारिज करे, कम आंके तो यह उसका दृष्टि दोष है। जबकि बहुतों की नजर में यह राम रथ पर सवार होकर इतिहास के बोझ से मुक्त होने का पावन क्षण है। एक तरफ मंदिर बनाने, उसके निर्माण के श्रेय का मोर पंख अपने मुकुट में खोंसने तो दूसरी तरफ इसे खारिज कर अपना राजनीतिक पूंजी निवेश बचाने के मकसद से जो घट रहा है, जो घटित कराया गया है और जो आगे घटित होना है और उसे दीर्घकालिक राजनीतिक प्रसाद में बदलने की जो मैराथन दौड़ चल रही है, वह भी क्षणिक ही है। याद रह जाने वाली बात केवल एक भव्य मंदिर और उसमें राम लला की प्राण प्रतिष्ठा है। यह पुनीत कार्य कौन करता है, कैसे करता है, किन धर्माचार्यों और मठाधीशों के सान्निध्य में होता है, किनकी आपत्तियों के बावजूद होता है, किस प्रविधि एवं विधि विधान से होता है, किन की मौजूदगी में होता है, कौन रूठता है, कौन गदगद होता है, किसकी जेब भरती है, कौन फकीर बनता है, कौन आता है, कौन जाता है, किसकी मंगल कामना से कौन- सा राजनीतिक मंत्र सिद्ध होता है या नहीं होता, मंदिर की पूर्णता- अपूर्णता का भावनात्मक पैमाना क्या है? श्रद्धा तथा आस्था की लहरों की ऊंचाई क्या है, गहराई क्या है, यह तमाम बातें इस वक्त बेमानी सी हैं, क्योंकि आस्था की उड़ान में सवारी के लिए किसी तरह का बोर्डिंग पास नहीं लगता। यह भी हो सकता है कि जो दिमाग के कंप्यूटर से दिल की स्कैनिंग करें वो पीछे ही छूट जाएं। भावी इतिहास कुछ सवाल जरूर पूछेगा, लेकिन फिलहाल उसका लोड लेने के लिए कोई तैयार नहीं है। भारतीय संस्कृति में राम कई रूपों और प्रतीकों में मौजूद हैं। वो मूर्त भी हैं, अमूर्त भी। वो भाव भी हैं और अभाव भी। वो संस्कार भी हैं और विचार भी। वो आदर्श भी हैं और प्रादर्श भी। राम कथा भी हैं और व्यथा भी। राम युक्ति भी हैं और मुक्ति भी। वो लोकाधिराज भी हैं और राजाधिराज भी। संक्षेप में कहें तो अपने चरित्र और स्वभाव के कारण ही राम तर्कातीत भी हैं। प्रश्न राम पर भी उठाए गए हैं और राम भक्तों पर भी। लेकिन राम लोकमन और लोकनीति के अवगाहक हैं। उनके लिए नैतिकता और जनापेक्षा ही सर्वोपरि है। यही राम का संविधान और वैचारिक परिधान है। जो दिख रहा है, जो अनुभूत हो रहा है, वह सचमुच अद्भुत और अकल्पनीय है। कम से उस पीढ़ी के लिए जो स्वतंत्रता के बाद जन्मी है, उस पीढ़ी के लिए भी जो तांत्रिक ज्ञान और एकाकीपन को ही जीवन समझ बैठी है। देश को सदियों की गुलामी के बाद मिली आजादी के समय भी काफी कुछ अघटित भी घटा था, लेकिन आस्था के विश्व में स्थायी स्मृति अगर कुछ बनी तो वह भारत माता के बेड़ियों से मुक्त होने की थी। यह सवाल तो आने वाले समय में भी इस देश के जनमानस को मथता रहेगा कि यह प्राचीन देश गुलाम क्यों हुआ, क्यों हमारा सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पतन हुआ, लेकिन यह भी सच है कि आस्था और उमंग की शहनाइयों के सुर कर्कश नगाड़ों को व्याप लेते हैं।

> राम मंदिर में राम लला की पुन: : प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जन-मन क्या सोच रहा है, क्या देख रहा है, क्या सुन रहा है, क्या गुन रहा है, क्या गा रहा है, क्या पा रहा है, क्या मान रहा है, क्या जान रहा है? क्या वह राम लला को ऐतिहासिकता और पौराणिकता के द्वंद्व में देख रहा है, क्या वह राम मंदिर को वास्तु शास्त्र और इंजीनियरिंग के मापदंडों तौल रहा है या फिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को कर्मकांड की परिपूर्णता अथवा अपूर्णता के कर्कश विवादों में तलाश रहा है।

दृष्टि कोण

राम मंदिर विशेषः सब पर बरस रही राम की कृपा

इन दिनों जिस तरफ निकलो भगवा झंडे लहराते हुए दिखते हैं। बाजार राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भुनाने में लगा है। सड़क पर घूम रहे आम विक्रेताओं से लेकर कॉरपोरेट जगत तक राम मंदिर में खुद के लिए अवसर ढूंढ रहा है। एफएम रेडियो पर दिन-रात कंपनियों के राम मंदिर से जुड़े विज्ञापन बज रहे हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर से खुद को जोड़कर दिखाने की मानो होड़ लगी हुई है। अनुमान है कि देशभर में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से होगा। कोई भी विशेष अवसर जब देश में होता है तो कॉरपोरेट जगत स्वयं को दूर नहीं कर पाता। फिर अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम तो भारत में जन-जन की आस्था का प्रतीक बन गया है। ऐसे में बाजार कैसे इस

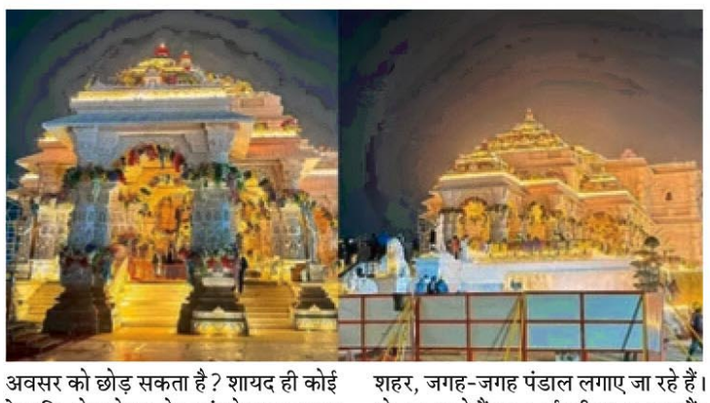

अवसर को छोड़ सकता है? शायद ही कोई ऐसा बिजनेस होगा, जो स्वयं को भगवान राम से न जोड़ रहा हो। राम मंदिर के बैनर, कैप, टी-शर्ट, कुर्ते हर तरफ देखने को मिल रहे हैं। 22 जनवरी को कई कंपनियां ग्राहकों को लुभाने के लिए ऑफर दे रही हैं। गांव हो या शहर, जगह-जगह पंडाल लगाए जा रहे हैं। भोज चल रहे हैं। हलवाई पूरी तरह व्यस्त हैं। टेंट हाउस वाले डिमांड पूरी नहीं कर पा रहे हैं। घरों पर लोगों ने दीपावली जैसी सजावट की है। इलेक्ट्रीशियन दिन-रात इस काम में लगे हुए हैं। एक प्रसिद्ध शीतल पेय ब्रांड ने हिंदी थीम पर अपना प्रोडेक्ट उतार दिया है। होटल इंडस्ट्री से लेकर ट्रैवल एजेंसियां तक पीछे नहीं हैं। म्यूजिक इंडस्ट्री बूम पर है। भगवान राम को समर्पित भजनों और गानों की बहार आई हुई है। शहरों में बिल्डर 22 जनवरी को अपने प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास कर रहे हैं। देशभर में राम मंदिर के 5 करोड़ से अधिक मॉडल बेचे जाने का अनुमान है और इसके लिए दिन-रात अलग-अलग राज्यों में कुटीर उद्योग स्तर पर काम चल रहा है। धार्मिक पुस्तकों की बिक्री बढ़ गई है। पिछले दिनों गोरखपुर में गीता प्रेस के पास रामचरित मानस पुस्तक की कमी हो गई थी। कुछ यही स्थिति गारमेंट्स कारोबार में भी देखने को मिल रही है। राम मंदिर बनाने का काम भले टाटा और एल.एंड.टी ने किया है, लेकिन अयोध्या के विकास संबंधी कार्यों में कई कॉरपोरेट सहयोग देने के लिए आतुर हैं। अयोध्या को राम मंदिर के सहारे नया धार्मिक टूरिज्म हब बनाने का योगी सरकार का सपना पूरा हो रहा है। अयोध्या, काशी और मथुरा के सहारे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी की इकोनॉमी को एक ट्रिलियन डॉलर की तरफ ले जाने का सपना देख रहे हैं। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का साथ राम मंदिर को मिला है तो योगी आदित्यनाथ का यह सपना पूरा होता दिख रहा है। भाजपा शासित कई राज्यों ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दिन सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए आधे दिन का अवकाश घोषित किया है। इसी तर्ज पर कुछ कॉरपोरेट्स और निजी कंपनियां भी अवकाश घोषित कर रही हैं। जिस तरह से देश राममय है तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि राम की कृपा सब पर बरस रही है।

अपना साहित्य

समझ लिया तो बस आनंद ही आनंद है

सूरदास जी हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल के प्रसिद्ध और महान कवि थे। सूरदास जी भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य उपासक और ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि माने जाते हैं। उनकी रचनाएं दिल को छू जाती हैं। ऐसे में उन्हें हिंदी साहित्य का सूर्य भी माना जाता है। सूरदास जी ने वात्सल्य, श्रृंगार और शांत रसों को मुख्य रूप से अपनाया है। सूरदास जी कृष्ण प्रेम और माधुर्य की प्रतिमूर्ति है। जिसकी अभिव्यक्ति बड़ी ही स्वाभाविक और सजीव रूप में हुई है।

अब हों नाच्यौ बहुत गोपाल
अब हों नाच्यौ बहुत गोपाल।
काम क्रोध कौ पहिरि चोलना, कंठ विषय की माल॥
महामोह के नूपुर बाजत, निन्दा सब्द रसाल।
भरम भरयौ मन भयौ पखावज, चलत कुसंगति चाल॥
तृसना नाद करति घट अन्तर, नानाविध दै ताल।
माया कौ कटि फैंटा बांध्यो, लोभ तिलक दियो भाल॥
कोटिक कला काछि दिखराई, जल थल सुधि नहिं काल।

सूरदास की सबै अविद्या, दूरि करौ नंदलाल॥
भावार्थ : संसार के प्रवृति मार्ग पर भटकते-भटकते जीव अंत में प्रभु से कहता है, तुम्हारी आज्ञा से बहुत नाच मैंने नाच लिया। अब इस प्रवृति से मुझे छुटकारा दे दो, मेरा सारा अज्ञान दूर कर दो। वह नृत्य कैसा? काम-क्रोध के वस्त्र पहने। विषय की माला पहनी। अज्ञान के घुंघरू बजे। परनिन्दा का मधुर गान गाया। भ्रमभरे मन ने मृदंग का काम दिया। तृष्णा ने स्वर भरा और ताल तद्रुप दिये। माया का फेंटा कस लिया था। माथे पर लोभ का तिलक लगा लिया था। तुम्हें रिझाने के लिए न जाने कितने स्वांग रचे। कहां-कहां नाचना पड़ा, किस-किस योनि में चक्कर लगाना पड़ा। न तो स्थान का स्मरण है, न समय का। किसी तरह अब तो रीझ जाओ, नंदनंदन।

प्रभु, हौं सब पतितन कौ राजा
प्रभु, हौं सब पतितन कौ राजा।
परनिंदा मुख पूरि रह्यौ जग, यह निसान नित बाजा॥
तृस्ना देसरु सुभट मनोरथ, इंद्रिय खड्ग हमारे।
मंत्री काम कुमत दैबे कों, क्रोध रहत प्रतिहारे॥
गज अहंकार चढ्यौ दिगविजयी, लोभ छत्र धरि सीस॥
फौज असत संगति की मेरी, ऐसो हौं मैं ईस।
मोह मदै बंदी गुन गावत, मागध दोष अपार॥
सूर, पाप कौ गढ दृढ़ कीने, मुहकम लाय किंवार॥

भावार्थ : यहां बड़े पापी की राजा से तुलना की गई है। परनिन्दा ही राजमहल के द्वार पर नौबत का बजना है। तृष्णा पतितेश का देश है। अनेक मनोरथ योद्धा हैं। इन्द्रियां तलवार का काम देती हैं। काम कुमंत्री है और क्रोध है द्वारपाल। अहंकार दिग्विजय कराने में साथी है। सिर पर लोभ का राज छत्र है। दुष्टों की संगति सेना है। ऐसे नरेश की विरुदावली का गान मोह मदादि कर रहे हैं। भक्तिवाद में दीनता ही दीनबंधु की शरण में ले जाती है।

अब कै माधव, मोहिं उधारि
अब कै माधव, मोहिं उधारि।
मगन हौं भव अम्बुनिधि में, कृपासिन्धु मुरारि॥
नीर अति गंभीर माया, लोभ लहरि तरंग।
लियें जात अगाध जल में गहे ग्राह अनंग॥
मीन इन्द्रिय अतिहि काटति, मोट अघ सिर भार।
पग न इत उत धरन पावत, उरझि मोह सिबार॥
काम क्रोध समेत तृष्ना, पवन अति झकझोर।
नाहिं चितवत देत तियसुत नाम-नौका ओर॥

देश दुनीया से

नये विश्व एवं विश्वास के लिये दावोस से उम्मीदें

स्विट्जरलैंड के पूर्वी आल्पस क्षेत्र के दावोस में अगले सप्ताह 54वीं वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की सालाना बैठक दुनिया को नये विश्वास एवं नवीन संभावनाओं से सराबोर करने के लिये आयोजित हो रही है। इससे नये विश्व एवं नये मानव समाज की संरचना का आकार उभर कर सामने आना चाहिए। इस महत्वपूर्ण एवं दुनिया को नयी दिशा देने वाली बैठक की थीम है विश्वास का पुनर्निर्माण। मौजूदा दौर में सर्वथा प्रासंगिक विषय एवं सन्दर्भ में आयोजित हो रही यह बैठक इसलिये खास है क्योंकि आज दुनिया अनेक मोर्चों पर बिखरी हुई है, मानवता के सामने नित नयी चुनौतियां खड़ी हो रही है, किसी को किसी पर विश्वास नहीं है, स्वार्थ एवं संकीर्णताओं ने मानवता का गला घोट रखा है। युद्ध, हिंसा, आतंकवाद एवं पर्यावरण की चुनौतियों से विश्व मानवता कहरा रही है। दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आपसी तनाव एवं द्वंद्व की फेहरिस्त तो खासी लंबी है। सभी का नुकसान हो रहा है, यह कहीं तो रुकना चाहिए। हर देश केवल खुद के बारे में ही सोच रहा है। ऐसा करते हुए वह अपने लिए नुकसानदायक पहलुओं का भी अहसास नहीं कर पा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध दो साल से नहीं थमा है और इधर इजरायल-फिलिस्तीन आपस में लड़ रहे हैं। ताइवान के मुद्दे पर अमरीका और उसके समर्थक अन्य यूरोपीय देशों से चीन का लगातार टकराव हो रहा है। दावोस की बैठक में इस संबंध में कुछ ठोस पहल का मार्ग प्रशस्त होगा, इसकी उम्मीद की जा सकती है। दावोस की इस बैठक के जो बड़े मुद्दे हैं, जिनमें पहला खंडित दुनिया में सहयोग और सुरक्षा का वातावरण निर्मित करना है। इस बैठक का दूसरा बड़ा मुद्दा जलवायु परिवर्तन का है, जो लगातार जटिल होता जा रहा है। दुनिया एवं हिमालय में बर्फ कम हो रही है, ग्लेशियर लगातार पिघल रहे हैं, कार्बन उत्सर्जन निरंतर विनाशकारी स्तर तक बढ़ता जा रहा है। पूरी दुनिया इन विनाशकारी स्थितियों से अवगत है। इसके बावजूद दुनिया के ज्यादातर देश इसे लेकर ज्यादा गंभीर नहीं हैं। जो देश इसके लिए बहुत ज्यादा जिम्मेदार हैं, उनको तो इस दिशा में गंभीरता दिखानी चाहिए। जो शक्ति एवं साधन सम्पन्न देश है उन्हें आगे आकर इन समस्याओं के निदान हेतु आर्थिक मदद करनी चाहिए, लेकिन वे इससे मुंह मोड़ रहे हैं। दावोस की इस बैठक में दुनिया की ज्वलंत समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस होगा। चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण जरूरी है, वही पाकिस्तान के द्वारा आतंकवाद को बल देना भी दुनिया की बड़ी समस्या है। इसके लिये बढ़ते साइबर अपराध, आर्थिक अपराधीकरण, साम्प्रदायिक संकीर्णताएं भी बढ़ते व्यापार एवं आर्थिक उन्नति की बड़ी बाधाएं हैं। बेरोजगारी, महिलाओं पर हो रहे अपराध एवं अत्याचार, युवाओं में बढ़ती निराशा आदि समस्याओं पर भी ठोस चिन्तन एवं मंथन जरूरी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ की तकनीक की व्यापक चर्चा दुनियाभर में सुनने को मिल रही है, चिकित्सा एवं अन्य तकनीकी क्षेत्रों में जहां इसकी उपयोगिता है, वहीं इसके खतरे भी कम नहीं है। एआइ इस बैठक के अहम मुद्दों में शामिल है। सकारात्मक परिणामों के साथ इसके नकारात्मक प्रभावों की झलक हमें बड़ी-बड़ी कंपनियों में छंटनी, साइबर अपराधों में बढ़ोतरी, संवेदनशील क्षेत्रों में दुरुपयोग व जोखिम के रूप में देखने को मिल रही है। इसके बावजूद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्त्व को नकारा नहीं जा सकता। कुछ ऐसे रास्तों और उपायों की तलाश इस बैठक का मकसद होना चाहिए, जिनकी मदद से इस तरह की तकनीक का दुरुपयोग रोका जा सके। यह भी संभव है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कुछ खास किस्म के रोजगारों को खत्म या कम कर दे। दावोस की बैठक में ये सभी चिंताएं भी सामने आएंगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि हालात को कुछ बेहतर बनाने का रास्ता निकलेगा और सभी देश अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी के साथ करेंगे। खासतौर पर विकसित देशों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। दावोस की बैठक में विश्व राजनीति, वैश्विक व्यापार, नागरिक समाज और विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों से सावधानीपूर्वक चुने गए 2000 दूत शामिल हैं, जिनमें विविध क्षेत्रों के प्रभावी हस्तियां दुनिया की स्थिति के बारे में सार्थक चर्चा को प्रोत्साहित करेगी और वैश्विक चिंताओं को दबाने के लिए सहयोगात्मक रूप से समाधान प्रस्तुत करेगी।

> मौजूदा दौर में सर्वथा प्रासंगिक विषय एवं सन्दर्भ में आयोजित हो रही यह बैठक इसलिये खास है क्योंकि आज दुनिया अनेक मोर्चों पर बिखरी हुई है, मानवता के सामने नित नयी चुनौतियां खड़ी हो रही है, किसी को किसी पर विश्वास नहीं है, स्वार्थ एवं संकीर्णताओं ने मानवता का गला घोट रखा है। युद्ध, हिंसा, आतंकवाद एवं पर्यावरण की चुनौतियों से विश्व मानवता कहरा रही है। दुनिया के विभिन्न देशों के बीच आपसी तनाव एवं द्वंद्व की फेहरिस्त तो खासी लंबी है। सभी का नुकसान हो रहा है, यह कहीं तो रुकना चाहिए।

आप का नजरीया

कोहरा-कहर और सितम

इन दिनों उत्तर भारत समेत देश के तमाम भागों में शीतलहर और कोहरे का प्रकोप व्याप्त है। जगह-जगह से खबरें आ रही हैं कि मैदानी इलाकों में कहीं तापमान जमाव बिंदु तो कहीं माइनस तक जा पहुंचा है। ऋतुचक्र में बदलाव कुदरत का नियम है। गर्मी के बाद बरसात और फिर ठंड, जीवन सृष्टि का नियम है। लेकिन जब ये स्थितियां चरम की ओर बढ़ती हैं तो लोगों को खासी मुश्किल होती है। खासकर समाज में निर्धन व बेघर लोगों के लिये तो यह कष्टकारी समय है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या कोहरे के कारण यातायात में आने वाली बाधा है। देश में तमाम हवाई उड़ानें व रेलों के आवागमन में व्यवधान आम बात होती है। सैकड़ों ट्रेन घंटों देरी से चल रही हैं। निश्चित रूप से यात्रियों के लिये ठंड में घंटों की प्रतीक्षा कष्टकारी होती है। कमोबेश, हवाई यात्रियों के साथ भी ऐसी दिक्कतें इस मौसम में आती हैं। विडंबना यह है कि जिस देश के पास चंद्रमा, मंगल व अंतरिक्ष तक पहुंचने की कूवत है, वहां हम कोहरे के दौरान सुरक्षित यातायात सुनिश्चित नहीं कर पाते? हर बार कोहरे के दौरान हवाई जहाजों व ट्रेनों के सुचारु संचालन के लिये उन्नत तकनीक के प्रयोग की बात होती है। मौसम सामान्य होते ही बात आई-गई हो जाती है। बहरहाल, सोमवार को दिल्ली में उड़ान में देरी से क्षुब्ध एक यात्री द्वारा पायलट के साथ अभद्र व्यवहार की घटना दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। निश्चित रूप से विलंब परेशान करता है लेकिन हवाई उड़ानों का मामला बेहद संवेदनशील व जोखिमभरा होता है। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने पर परिचालन में जरा-सी चूक से सैकड़ों जानों को खतरा पैदा हो जाता है। ऐसे में यदि उड़ान में विलंब होता है तो यह यात्रियों की सुरक्षा के लिये ही होता है। निश्चित रूप से अभद्रता करने वाले यात्री को इस घटना के बाद दंडित किया जाएगा। लेकिन असुविधा के बावजूद संयम खोने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। निश्चित रूप से मौसम की प्रतिकूलता के दौरान जीवन व यातायात सामान्य रह सके, इसके लिये युद्धस्तर पर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। शासन-प्रशासन को 'आग लगने पर कुआं खोदने' वाली सोच से बचना चाहिए। इसके बावजूद दिल्ली हवाई अड्डे पर गोवा जाने वाली फ्लाइट में तेरह घंटे के विलंब से बौखलाए यात्री द्वारा चालक दल से अभद्रता स्वीकार्य नहीं है। बताया जा रहा है कि यात्री का कहना था कि यदि उड़ान में ज्यादा विलंब हो रहा है तो उसे उतरने की अनुमति दी जाए क्योंकि वह लंबे समय तक बैठा नहीं रह सकता। समाधान का एक पहलू यह भी है कि विमानन सेवा से जुड़े प्रबंधन द्वारा ऐसी विकट स्थितियों की पूर्व सूचना लगातार यात्रियों को देने का तंत्र विकसित किया जाए। उन्हें मौसम के अपडेट से यात्रा पूर्व ही अवगत कराने के प्रयास होने चाहिए। साथ ही उड़ान में यदि ज्यादा देरी है तो उनको सहज बनाने के विकल्पों पर भी विचार किया जाना चाहिए। हालांकि, सुरक्षा कारणों से विमान से यात्रियों को उतरने की इजाजत नहीं होती, लेकिन यदि विलंब ज्यादा है तो सुविधाजनक विकल्प तलाशे जाने चाहिए। यात्री धैर्य न खोएं इसके लिये हवाई अड्डे पर राहतकारी व्यवस्था जरूर होनी चाहिए। वहीं यात्रियों को भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी विमान चालक दल के सदस्य के साथ यदि असहज करने वाली स्थितियां उत्पन्न होती हैं तो इसका नकारात्मक असर चालक दल की परिचालन क्षमता और मनोदशा पर पड़ सकता है।

प्रभु श्रीराम को राजीव गांधी मानते थे, कांग्रेस नहीं ले रही राम का नाम : प्रमोद कृष्णम

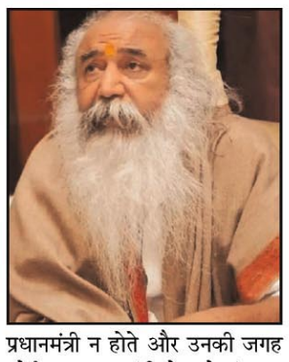

अयोध्या, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद कृष्णम ने कहा कि प्रभु श्रीराम का निमंत्रण मिलना सौभाग्य है। प्रभु श्रीराम का निमंत्रण कोई ईसाई भी नहीं ठुकरा सकता। प्रभु श्रीराम को राजीव गांधी मानते थे, महात्मा गांधी मानते थे, लेकिन कांग्रेस राम का नाम नहीं ले रही है। प्रमोद कृष्णम ने ईसाई के बहाने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। रविवार को अयोध्या पहुंचे प्रमोद कृष्णम ने कहा कि 22 जनवरी का दिन भारत के गौरव का दिन है। यह सच है कि मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के फैसले से हुआ है और श्रीरामजन्मभूमि पर मंदिर का निर्माण शुरू हुआ और 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है मगर यह भी सत्य है कि यदि नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री न होते और उनकी जगह कोई अन्य प्रधानमंत्री होता तो संभवतः न्यायालय का फैसला न हो पाता और न ही जन्मभूमि स्थल पर राम मंदिर का निर्माण हो पाता। यह मोदी की इच्छाशक्ति का परिणाम है कि इतने कम समय में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हो सका है, इसलिए मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन का सर्वाधिक श्रेय वह नरेन्द्र मोदी को देना पसंद करेंगे। कृष्णम ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान कितनी सरकारें आईं और गईं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप), आरएसएस, बजरंग दल, संत महात्माओं का संघर्ष और बलिदान इस आंदोलन में है मगर यदि मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं होते तो यह मंदिर नहीं बन पाता। गौरतलब है कि कल्किधाम के पीठाधीश्वर श्रीकृष्णम श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर भाजपा सरकार की सराहना करते रहे हैं। कई बार अपने बेबाक बयानों से उन्होंने अपनी ही पार्टी कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ऐतिहासिक क्षण, दीपोत्सव कर खुशी मनाएं : मेनका

सुलतानपुर, (हि.स.)। तीन दिवसीय दौरे पर पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका संजय गांधी रविवार को सुबह कादीपुर में कपाली महाराज की मौजूदगी में उनके कादीपुर आश्रम से निकली मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की विशाल शोभा यात्रा का आरती पूजन कर शुभारंभ किया। श्रीमती गांधी ने अयोध्या में हो रहे भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा को ऐतिहासिक क्षण बताया। श्रीमती गांधी ने कहा कि 500 वर्षों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल में ऐसा समय आया है कि अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को जनपदवासी इस पुनीत अवसर पर अपने घरों की साफ-सफाई कर श्रीराम ज्योति प्रज्ज्वलित कर इस क्षण को दीपावली पर्व की तरह खुशी मनाएं। श्रीमती गांधी ने कहा कि जिले के तीर्थराज धोपाप, विजेथूआ महावीरन व सीताकुंड घाट पर 22 को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन बड़ा आयोजन किया जाएगा।धोपाप में वह स्वयं उपस्थित रहेंगी। धोपाप में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ 51 हजार दीपों का प्रज्वलन किया जाएगा। श्रीमती गांधी रविवार को उमरी वह बिरसिंहपुर में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा में सम्मिलित हुई। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा ने सुल्तानपुर जिले के 926 गांव में भ्रमण कर 6 लाख 85 हजार लोगों से सीधा संपर्क करने का सफल प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित व आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा वंचित पात्रों को योजनाओं का लाभ देने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ी गांव-गांव पहुंच रही है। इसके बाद भी अगर कोई पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित रहता है तो उसके लिए मेरे दरवाजे खुले हुए हैं। इस मौके पर श्रीमती गांधी ने आवास, आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मन निधि सहित कई या योजनाओं के पात्रों को प्रमाण पत्र आदि दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने 2047 तक विकसित भारत निर्माण में सहयोग करने का शपथ व संकल्प लिया। यहां पर कृषि, सप्लाई,जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य, विकास विभाग आदि विभागों द्वारा स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। इस यात्रा का सबसे बड़ा असर ऐसे नागरिकों पर पड़ा जिन्हें केंद्र या राज्य सरकार की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिला था। श्रीमती गांधी ने बिरसिंहपुर के निवासी अखिलेश जायसवाल की अस्पताल में डॉक्टरों के न बैठने व बाहर की दवाई व जांच लिखने के शिकायती प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लिया है। सांसद मेनका ने अस्पताल में चिकित्सा अव्यवस्थाओं को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा मामला मेरे संज्ञान में लाया गया है। बिरसिंहपुर अस्पताल की व्यवस्था को दुरुस्त करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ूंगी। जिला विकास अधिकारी ने बताया कि जिले के 427 गांव में आयुष्मान कार्ड 100 फीसदी संतृप्त किया जा चुका है। सांसद श्रीमती गांधी कटक में भाजपा के सोशल मीडिया प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह गुड्डू के यहां आयोजित तिलकुट शो हुआ नबीपुर में पूर्व मंडल अध्यक्ष रमेश मिश्रा की पुत्री के वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित हुई। सांसद श्रीमती गांधी सीतापुर घाट पर राम उत्सव कार्यक्रम के तहत आयोजित गोमती आरती कार्यक्रम में भी शामिल हुई। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि रणजीत कुमार,पूर्व विधायक रामचन्द्र चौधरी,शशिकांत पाण्डे, मीडिया प्रभारी विजय सिंह रघुवंशी, विवेक सिंह, पूर्व प्रमुख शिव नारायण, सभाजीत पांडे,अखिलेश सिंह, कमलेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा : शामिल मेहमानों को दिया जाएगा शुद्ध देशी घी से बना महाप्रसाद

- महाप्रसाद के पैकेट में दो लड्डू, सरयू नदी का जल, अक्षत, सुपारी की थैली और कलावा शामिल

अयोध्या, (हि.स.)। अयोध्या धाम में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में अब कुछ ही घंटे शेष हैं। योगी सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य और दिव्य बनाने के लिए अयोध्या धाम को एक दुल्हन की तरह सजा दिया है। वहीं, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आने वाले वीआईपी मेहमानों के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से महाप्रसाद तैयार कराया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद उन्हें भेंट किया जाएगा। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान मेहमानों को मंदिर परिसर में देश घी से तैयार भोजन भी परोसे जाने की तैयारी है। श्रीराम जन्भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मार्गदर्शन में गुजरात की भगवा सेना भारती गरवी गुजरात व सन्त सेवा संस्थान की ओर से महाप्रसाद तैयार किया जा रहा है, जिसे प्राण प्रतिष्ठा कार्यकम के बाद मेहमानों को वितरित किया जाएगा। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भाई रावल ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से उन्हें तीन दायित्व सौंपे गये हैं। इसके तहत उन्हें महाप्रसाद तैयार करने के साथ संतों के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने बताया कि करीब 200 लोगों की टीम द्वारा 5 हजार किलो से अधिक सामग्री से महाप्रसाद को तैयार किया गया है। महाप्रसाद को शुद्ध देशी घी, बेसन, शक्कर और पंच मेवे से तैयार किया गया है। महाप्रसाद की शुद्धता का भी विशेष ध्यान रखा गया है। सभी सामग्रियों को खुद संस्थान की ओर से निर्मित किया गया। महाप्रसाद की किसी भी सामग्री को बाजार से रेडीमेड नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया कि महाप्रसाद के 20 हजार से अधिक पैकेट को तैयार किया गया है। इस पैकेट में दो लड्डू, सरयू नदी का जल, अक्षत, सुपारी की थैली और कलावा होगा। महाप्रसाद के पैकेट को सनातनी परंपरा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। संस्थान की ओर से 21 जनवरी को महाप्रसाद के पैकेट को ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। ट्रस्ट की ओर से रोजाना पांच हजार से अधिक संतों को प्रतिदिन भोजन कराया जा रहा है। साथ ही, उन्हें उदासीन आश्रम रानोपाली में ठहराया जा रहा है। इस दौरान संतों को एक किट दी जा रही है, जिसमें कंबल, तकिया और चादर शामिल है। इसके अलावा ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए मंदिर परिसर में भोजन की व्यवस्था की गई है। मेहमानों को फलाहारी, बाजरा आधारित व्यंजन के साथ सात्विक शाकाहारी भोजन परोसा जाएगा। इन व्यंजनों को वाराणसी और दिल्ली के शेफ तैयार करेंगे। इसके अलावा मेहमानों को थेपला, बादाम बर्फी और मटर कचौरी भी परोसी जाएगी।

पांच वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर का ऐतिहासिक क्षण आया : केशव प्रसाद मौर्य

हर घर को अयोध्या धाम और हर मंदिर को राम मंदिर बनाना है

अयोध्या, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का यह ऐतिहासिक क्षण आया है। 22 जनवरी को हमारे आराध्य प्रभु श्री राम अपने भव्य मंदिर में विराजेंगे, इस अवसर पर सभी भारतवासी हर घर को अयोध्या धाम और हर मंदिर को राम मंदिर बनाएं। वह रविवार को अयोध्या के कारसेवकपुरम पहुंचे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक पुरुषोत्तम नारायण सिंह से भेंटकर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि 14 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रदेश में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद घर-घर राम ज्योति जलाकर दीपावली मनाना है। हर ग्राम को अयोध्या धाम और हर मंदिर को राम मंदिर बनाना है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज सज धज कर तैयार है। अयोध्या को प्रभु श्री राम की प्रतीक्षा का फल मिलने वाला है। अयोध्या के साथ-साथ संपूर्ण जनमानस आनंदित है। एक तरफ जहां विपक्षी दलों ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण को ठुकरा दिया, वहीं पूरा राष्ट्र राम के आने का इंतजार कर रहा है।

स्वार्थी व्यक्ति के द्वारा सेवा धर्म का निर्वहन संभव नहीं : रामायणी

मुरादाबाद, (हि.स.)। जनपद के रामगंगा विहार फेस दो आस्था कॉलोनी स्थित राधा कुंज दुर्गा मंदिर में श्री राम जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन हो रहा है। कथा के चौथे दिन रविवार को बरेली फरीदपुर से पधारे पंडित बृजेश पाठक रामायणी ने कहा कि जीवन में आदर्श सेवा धर्म का पालन करने के लिए व्यक्ति का निस्वार्थ होना आवश्यक है। आज के युग में जब लोग सेवा की आड़ में अपनी स्वार्थ पूर्ति में लगे हैं। रामायण के आदर्श पात्र श्री लक्ष्मण जी, हनुमान जी हमें बताते हैं कि सेवा का क्या स्वरूप है। पंडित बृजेश पाठक रामायणी ने आगे कहा कि जब सेवा स्वार्थ पूर्ति के लिए की जाती है तो वह सेवा न रहकर व्यापार बन जाती है। लेकिन जब सेवा निस्वार्थ भाव से की जाती है, जन-जन को भगवान का रूप समझ कर की जाती है तो वह सेवा पूजा बन जाती है।

उसके द्वारा व्यक्ति का अंतःकरण शुद्ध हो जाता है और वह भगवान की प्राप्ति में समर्थ हो जाता है। रामायण में लक्ष्मण जी ने प्रभु राम की जो सेवा की वह अपने आप में आदर्श है। उन्होंने अपनी सेवा के बदले में कभी प्रभु राम से कुछ नहीं चाहा। उन्होंने आगे बताया कि बाल्मिकी रामायण के अनुसार श्री राम ने एक बार उन्हें युवराज पद देना चाहा तो उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि आपकी सेवा ही मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार है, मुझे इन चरणों की सेवा के अतिरिक्त कुछ नहीं चाहिए। सच्चा सेवक अपनी सेवा के बदले में किसी पुरस्कार या उपहार की आशा नहीं रखता। वह तो अपने स्वामी की सेवा करके ही आत्म संतुष्ट रहता है। यही सेवा का वास्तविक स्वरूप हैं। पूजन पंडित राम प्रसाद जोशी ने विधि विधान से सम्पन्न कराया। मीडिया प्रभारी निमित्त ने बताया कि 22 जनवरी तक राम कथा प्रतिदिन शाम 4 बजे से साढ़े 5 बजे तक चलेगी। श्री राम कथा में ब्रह्मवतार गुप्ता, अशोक कुमार मेहरोत्रा, कमलेश रस्तोगी, अनुराग शुक्ला, राकेश वर्मा, देवेंद्र सिंह, पंडित राम प्रसाद जोशी आदि रहे।

रांची पुलिस 22 जनवरी को लेकर अलर्ट, संवेदनशील इलाकों पर पैनी नजर, 1500 से ज्यादा फोर्स तैनात

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में रामोत्सव को लेकर पुलिस अलर्ट है। जगह-जगह पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। साथ ही संवेदनशील स्थानों में पुलिस की खास नजर है। सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए पुलिस की खास टीम बनाई गई है। उत्सव के माहौल में कोई खलल ना पड़े और समाज में तनाव ना फैल सके इसे लेकर रांची पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। राजधानी के वैसे इलाके जहां पूर्व में सांप्रदायिक तनाव के मामले सामने आ चुके हैं वैसे इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा है। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रांची पुलिस अलर्ट मोड में है। राजधानी के 50 से अधिक मंदिरों में विशेष पूजन का कार्यक्रम तय है। कई जगह बड़ा उत्सव मनाया जा रहा है। ऐसे में सुरक्षा के मद्देनजर जिलेभर में डेढ़ हजार से ज्यादा फोर्स की तैनाती की गई है। फोर्स की तैनाती 21 से 23 जनवरी तक की गई है। इस संबंध में रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला पुलिस के अलावा रैफ, जैप और आईआरबी जवानों की भी तैनाती की गई है। खास तौर पर अति संवेदनशील इलाकों में सबसे ज्यादा फोर्स तैनात रहेंगे। अति संवेदनशील इलाकों में फोर्स के अलावा अग्निशमन दस्ता, वाटर कैनन के अलावा वज्र वाहन को भी तैनात किया गया है। सुरक्षा की मॉनिटरिंग वे खुद कर रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि सुरक्षा में डीएसपी के अलावा सभी इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी को अलग से लगाया गया है। शहर का माहौल बिगाड़ने वालों के साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी। शहरभर के थानेदारों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में गश्ती करें। कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। एसएसपी ने थानेदारों को यह भी निर्देश दिया है कि वे लगातार अपने-अपने क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाएं। उल्लेखनीय है कि एक सप्ताह पूर्व ही राजधानी के चौक-चौराहों पर लगे सभी सीसीटीवी को दुरुस्त कर लिया गया है। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस-ाकर्मियों को सीसीटीवी के जरिए शहर में निगरानी रखने के लिए तैनात किया गया है। रांची में कार्यक्रमों की निगरानी ड्रोन कैमरे से होगी। रांची पुलिस की एक टीम सोशल मीडिया पर भी कड़ी नजर रखे हुए हैं। साइबर सेल को भी सोशल मीडिया पर नजर रखने की हिदायत दी गई है।

पश्चिमी सिंहभूम में जय श्री राम के उद्घोष के साथ निकली कलश शोभा यात्रा

पश्चिमी सिंहभूम, (हि.स.)। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के पावन उपलक्ष्य में रेल नगरी चक्रधरपुर के पोर्टर खोली स्थित श्री काली मंदिर ट्रस्ट समिति के तत्वावधान में रविवार को विशाल कलश शोभा यात्रा निकाली गया। कलश यात्रा का शुभारंभ जय श्री राम के उद्घोष के साथ हुआ। शोभा यात्रा में रेल नगरी चक्रधरपुर के पोर्टर खोली स्थिति श्री काली मंदिर से भगवान श्री राम का भगवा रंग के झंडे और भगवा पगड़ी पहने भक्त चल रहे थे। उनके पीछे डीजे के धुन पर झाल मंजिरा बजाते हुए नाचती- झूमती महिलाएं और पुरुष अबीर-गुलाल उड़ाते चल रहे थे। इनके पीछे महिला-पुरुष भगवा वस्त्र धारण किए हुए मोटरसाइकिल पर चल रहे थे, जो आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। एक वाहन पर राम दरबार की तस्वीर थी। रथ को फूल से सजाया गया था। शोभा यात्रा रेल नगरी चक्रधरपुर के पोर्टर खोली स्थिति श्री काली मंदिर, श्री राणी सती मंदिर, चांदमारी, संतोषी मंदिर, बाटा रोड होते हुए पवन चौक पहुंची। इस दौरान जमकर आतिशबाजी किया गया। इसके बाद भगत सिंह चौक होते हुए चक्रधरपुर थाना के समीप मुक्तिनाथ महादेव घाट स्थित संजय नदी घाट पहुंचे, जहां विधिवत कलश में संकल्प लेकर जल भरा गया। इसके बाद वापस थाना रोड होते हुए रांची चाईबासा मुख्य मार्ग पर पहुंच कर पवन चौक , गुरुद्वारा रोड, पोर्टर खोली होते हुए वापस श्री काली मंदिर पहुंच कर समापन किया गया। शोभा यात्रा की निगरानी करने के लिए ट्रेनिंग आईपीएस अमित आनंद, एलआरडीसी केके मुंडू, चक्रधरपुर प्रभारी डीएसपी दिलीप खालको, चक्रधरपुर थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार शाहिद भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था।

23 को खूंटी में अबुआ आवास योजना की होगी शुरूआत, तैयारी पूरी

अबुआ आवास योजना के लिए 3800 लाभुकों का किया गया चयन : उपायुक्त

रांची, (हि.स.)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना की शुरूआत 23 जनवरी को कराने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीण विकास विभाग यह प्रयास कर रहा है कि खूंटी जिले से इस योजना की लांचिंग करा दी जाये। खूंटी जिला प्रशासन ने इसकी तैयारी भी कर ली है। झारखंड सरकार ने इस वित्तीय वर्ष 2023-24 31 मार्च तक इस योजना से दो लाख लाभुकों को आवास योजना की स्वीकृति देने का लक्ष्य दिया है। सभी जिलों को इसके लिए अलग-अलग टारगेट दिया गया है। इस संबंध में खूंटी के उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि उनके जिले में इस वित्त वर्ष के लिए 3800 लाभुकों का चयन अबुआ आवास योजना के लिए किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग में पूरे राज्य के अन्य जिले में तय टारगेट के अनुसार प्राप्त किए गये आवेदनों को सत्यापित करने का काम चल रहा है। संभवतः 22 जनवरी तक सभी जिलों से इसकी रिपोर्ट विभाग को मिल जायेगी। ऐसे में इसके बाद यह तय होगा कि इस वित्त वर्ष कितने लाभुकों को पहली किस्त की राशि दी जायेगी। ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने बताया कि करीब 31 लाख आवेदन आवास योजना के लिए प्राप्त हुए हैं, जिसमें 29.97 लाख का आवेदन सत्यापित कर लिया गया है।

जिलों से रिपोर्ट आ रही है। इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। आवास आवंटन की स्वीकृति भी जल्द दी जायेगी। 23 जनवरी को पहली किस्त की राशि भी दे दी जायेगी। इस योजना के तहत लाभुकों को पहली किस्त में आवास योजना की स्वीकृति के समय 30 हजार रुपये दी दिए जायेंगे। दूसरी किस्त में लिंटल कार्य के लिए 50 हजार रुपये, तीसरी किस्त में छत ढलाई के समय एक लाख रुपये व आवास पूर्ण होने के समय 20 हजार रुपये चौथी किस्त के रूप में दी जायेगी। आवास में बिजली,पानी, शौचालय इत्यादि की भी सुविधा पहुंचाई जायेगी। अबुआ आवास योजना से तीन कमरा का पक्का आवास बनाया जायेगा। इसमें अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। ग्रामीण विकास विभाग ने इसका मॉडल डिजाइन भी तैयार किया है, सभी जिलों को इसे भेजा है।

सीएम ने श्रीराम जानकी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का किया लोकार्पण

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को समस्तीपुर जिला के सराय रंजन में 591 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अस्पताल आधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। यह बहुत सुंदर अस्पताल बना है। इसका आज उद्घाटन हुआ है, यह मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। हम पहले भी यहां आकर इसके निर्माण कार्य को देखते रहे हैं। उद्घाटन के साथ ही आज से यहां मरीजों का इलाज शुरू हो गया है। सीएम ने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों को अपने इलाज के लिए अन्य कहीं जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मरीजों को यहां सभी प्रकार की सुविधाएं मिलेंगी। श्रीराम जानकी मठ द्वारा इस अस्पताल के निर्माण के लिए जमीन दान दी गई थी।इसलिए इस अस्पताल का नाम श्रीराम जानकी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल रखा गया है। इस अस्पताल के निर्माण में केंद्र सरकार ने भी सहयोग दिया है। यह अस्पताल बड़ा और अच्छा बना है। यहां अभी 500 बेड की सुविधा है लेकिन भविष्य में 1000 बेड का अस्पताल बनाने के लिए काम किया जाएगा और मेडिकल के छात्रों के नामांकन की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया।

खुद को प्रभु श्रीराम के चरणों में समर्पित कर दें नीतीश कुमार : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह रामलाल के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी को बिहार में छुट्टी देने की मांग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की है। अपने संसदीय क्षेत्र के पांच दिवसीय दौरे पर आए गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर जोरदार प्रहार किया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि 22 जनवरी को अयोध्या में सिर्फ रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ही नहीं, हिंदू धर्म का पुनर्जागरण हो रहा है। भारत सरकार ने आधे दिन की छुट्टी दी है। बिहार हिंदू बहुल्य राज्य है। हिंदुओं की भावना को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 22 जनवरी को छुट्टी घोषित करें। इसके साथ ही मांस और मदिरा के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सभी रूप से बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगाएं। नीतीश कुमार को 72 साल की उम्र में खुद को श्री राम के चरणों में समर्पित कर देना चाहिए और बिहार की प्रगति के लिए भगवान राम से प्रार्थना करनी चाहिए। बिहार में सभी के लिए एक दिन की छुट्टी उनकी श्रद्धा का प्रतीक होगा। यह भाव जश्न मनाने वालों के लिए दिन के महत्व का सम्मान करेगा और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देगा। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर किए जा रहे चर्चा पर गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस को अयोध्या में बने राम मंदिर से नहीं, नरेन्द्र मोदी से दिक्कत है। कांग्रेस को दो बार मौका मिला था, 1947 में आजादी के बाद और जिस दिन ढांचा गिरा था उस दिन। जब ढांचा गिरा तो कांग्रेस ने तीन राज्य की सरकार को बर्खास्त कर दिया। अगले दिन कांग्रेस ने कहा था कि मस्जिद बनाई जाएगी। अगर मंदिर बन गया होता तो आज मंदिर बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। भाजपा शुरू से ही मंदिर बनाने के लिए लड़ाई लड़ रही है। भाजपा के घोषणा पत्र में भी इसकी चर्चा है। भारत के अस्मिता का सवाल मंदिर बनाने को लेकर हमने कहा था कि रामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे और आज हमने मंदिर बना दिया। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन स्वार्थ का है। जहां-जहां स्वार्थ की टकराहट हो रही है, वहां गल्लम गलौज हो रही है। बंगाल में कांग्रेस और तृणमूल आपस में लड़ रही है तो यही हाल यूपी में भी है। कांग्रेस वेंटीलेटर पर है या कहां है, यह तो उन्ही के नेताओं को ही पता है। भाजपा पूरे देश में लोकसभा चुनाव की तैयारी कर चुकी है। जिनको वन-टू-वन करना है, वह जानें। देश की एक तिहाई से अधिक जनता ने नरेन्द्र मोदी को ही अगला प्रधानमंत्री भी मान लिया है। सभी गरीब और पिछड़े चाहते हैं कि नरेन्द्र मोदी ही एक बार और प्रधानमंत्री बनें। राहुल गांधी के सत्ता सुख भोगने का समय चला गया है। वह असम के मुख्यमंत्री को गाली दे रहे हैं। जिस समय असम में हत्या हो रही थी, मार काट हो रहा था, उसे समय राहुल गांधी कहां थे। गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव ने रामचरित मानस का अपमान किया था। उसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। राजद के नेता कहते थे कि लालू यादव की कृपा से ही नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने हैं। लेकिन पिता-पुत्र ने सीएम आवास जाकर घुटना टेक दिया। जिसके कारण शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर का विभाग बदल गया।

प्रधानमंत्री युवाओं से करेंगे लाइव संवाद, बेगूसराय में सात जगह होगा कार्यक्रम

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के युवा मतदाताओं से लाइव संवाद करेंगे। इसकी व्यापक पैमाने पर तैयारी चल रही है। इस अवसर पर बेगूसराय में 14 हजार युवा कार्यक्रम में शामिल होंगे।इसके लिए जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र बेगूसराय, मटिहानी, चेरिया बरियारपुर, बखरी, तेघड़ा, बलिया एवं बछवाड़ा में एलईडी की व्यवस्था बीजेपी के युवा मोर्चा द्वारा की जा रही है। जहां कि इस नवमतदाता सम्मेलन में दो-दो हजार लोगों शामिल करने की तैयारी है। कार्यक्रम का उद्देश्य नवमतदाताओं तक संदेश पहुंचाना है कि मोदी सरकार युवाओं के प्रति पूरी तरह समर्पित है। देश के युवा लोकतंत्र के नींव होते हैं, इसलिए मतदान की उपयोगिता समझें। प्रधानमंत्री के मुहिम में युवाओं को जोड़ने के लिए नंबर-7820078200 जारी किया गया है। प्रदेश महामंत्री नीरज नवीन ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नवमतदाता सम्मेलन किया जा रहा है। इस अभियान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 जनवरी को देशभर के पांच हजार स्थानों के नव मतदाताओं से लाइव कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़ेंगे, तीन लाख से ज्यादा युवा से सीधे संवाद करेंगे। भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुमित सन्नी ने बताया कि युवाओं तक पहुंचने के अभियान के हिस्से के रूप में टीम कॉलेज परिसरों, कोचिंग सेंटरों, स्टेडियमों, खेल के मैदानों और अन्य क्षेत्रों में जाकर उनसे संपर्क जुटा रही है। केंद्र सरकार की विकास योजनाओं के बारे में बता रही है। नए रजिस्टर्ड मतदाता के साथ मतदान के मूल्य पर भी चर्चा की जा रही है। युवा मोर्चा उन्हें यह भी बताने की कोशिश में जुटा हुआ है कि 2014 के बाद देश में क्या बदलाव हुए हैं, भारत कैसे लगातार विकास कर रहा है, सरकार इस विकास को कैसे बढ़ावा दे रही है। 25 जनवरी के कार्यक्रम की व्यापक तैयारी की गई है।

टेस्ला ने सॉफ्टवेयर समस्या के कारण 4,000 से अधिक वाहन वापस मंगाए

नई दिल्ली।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला ने एक सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया में 2022 और 2023 के बीच बनाए गए 4,000 से ज्यादा मॉडल 3 और मॉडल वाई वाहनों को वापस बुला लिया है।

बुनियादी ढांचे, परिवहन, क्षेत्रीय विकास, संचार और कला विभाग (डीआईटीआरसीए) के अनुसार, 4,382 वाहनों में सॉफ्टवेयर समस्या के कारण ठंडे तापमान में गाड़ी चलाते समय स्टीयरिंग व्हील का उपयोग करना मुश्किल हो सकता है।

नोटिस में लिखा है, सॉफ्टवेयर समस्या के कारण, ठंडे तापमान में स्टीयरिंग व्हील में समस्या आ सकती है।

नोटिस में कहा गया है कि खराबी के बावजूद, वाहन चलाते समय ड्राइवरों को गंभीर चोट का खतरा नहीं है।

इसमें कहा गया है, यह खराबी वाहन के प्रदर्शन को प्रभावित नहीं करेगी।

नोटिस के अनुसार, प्रभावित वाहनों के मालिकों से कहा जाता है कि वे वाहन सॉफ्टवेयर वर्जन का निरीक्षण करने और वर्जन 2023.38 या उसके बाद के वर्जन में फ्री अपडेट करने के लिए टेस्ला से संपर्क करें, या अपने वाहन के सॉफ्टवेयर को अपडेट करें जैसा कि वे आमतौर पर मेन स्क्रीन का उपयोग कर करते हैं।

इस महीने की शुरुआत में, टेस्ला ने अपने ऑटोपायलट सिस्टम को ठीक करने के लिए चीन में 1.6 मिलियन वाहनों को वापस बुलाया, जो देश में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉल है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, चीन में रिकॉल टेस्ला की ड्राइवर-असिस्टेंस फीचर्स के मुद्दों को ठीक करने के लिए था, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है।

ऑटोमेकर ने इसी मुद्दे के कारण पिछले साल अमेरिका में 20 लाख कारें वापस मंगाई थीं।

न्यूज ब्रीफ

इस्पात मंत्रालय ने सेल और एनएमडीसी के तीन निदेशकों को किया निलंबित, 26 अन्य पर कार्रवाई

नई दिल्ली । इस्पात मंत्रालय ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के दो निदेशकों और राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के निदेशक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही सेल के 26 अन्य अधिकारियों को भी निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई कदाचार के चलते की गई है। सेल ने बीएसई को बृहस्पतिवार को बताया कि उसने अपने आचार संहिता के उल्लंघन के चलते यह कार्रवाई की है। सेल ने बताया कि उसने अपने निदेशक (वाणिज्यिक) वीएस चक्रवर्ती और निदेशक (वित्त) एके तुल्सीआनी को निलंबित कर दिया है। ये दोनों बोर्ड स्तर के अधिकारी हैं। 26 अन्य अधिकारियों को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। इनमें ईडी (वित्त एवं अकाउंट) एसके शर्मा, ईडी (वाणिज्यिक) विनोद गुप्ता, ईडी (सेल एवं आईटीडी) अतुल माथुर और ईडी (मार्केटिंग सर्विसेज) आरएम सुरेश भी शामिल हैं। सेल ने बताया कि यह मामला लोकपाल के निर्देशानुसार की जा रही कुछ जांचों से संबंधित है। इस मसले पर सेल अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि कंपनी का कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है और इससे कंपनी के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सेल इस्पात बनाने वाली देश की सबसे बड़े कंपनी है, जबकि एनएमडीसी बसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक इकाई है।

चाय उत्पादन में जैव-कीटनाशकों का उपयोग किया जाए

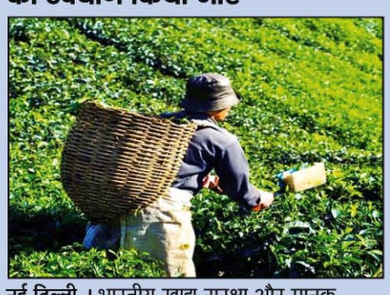

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने चाय उत्पादन की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जैव-कीटनाशक का उपयोग करने को कहा। एफएसएसएआई के सीईओ राव ने असम के केलीडेन में आयोजित एक सत्र के दौरान चाय उत्पादकों और चाय बागान मालिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में एफएसएसएआई, चाय बोर्ड, चाय अनुसंधान संस्थान, चाय बागान मालिकों, चाय प्रसंस्करणकर्ताओं, उद्योग संगठनों और राज्य के खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों सहित प्रमुख अंशधारकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। चर्चा का केंद्र बिंदु कच्चे माल का उदगम स्थान और परीक्षण संबंधी उपायों को बढ़ाना, कीटनाशक अवशेषों के लिए प्रत्येक खेप की निगरानी की आवश्यकता पर जोर देना और वर्ष 2011 के खाद्य सुरक्षा और मानक विनियमों (एफएसएसआर) में निर्धारित कीटनाशकों के उपयोग की अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) का पालन करना था। बयान में कहा गया, राव ने जैव-कीटनाशकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया और संयुक्त निरीक्षण, नमूनाकरण और परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए चाय बोर्ड के साथ सहयोग को प्रोत्साहित किया। सत्र के दौरान टी बोर्ड ने बागान मालिकों के बीच जागरूकता अभियानों के महत्व पर जोर दिया ताकि उन्हें सुरक्षित कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए कटाई के अंतराल के रखरखाव के बारे में शिक्षित किया जा सके।

अंतरिम बजट में कर मोर्चे पर मिल सकती है कुछ राहत

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कुछ दिन बाद आम बजट पेश करेंगी। बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है।अर्थशास्त्रियों की राय इस पर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले अगले महीने पेश होने वाले अंतरिम बजट में मानक कटौती की राशि बढ़ाकर आयकरदाताओं को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ कर छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है, ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है। वित्त मंत्री सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। मानक कटौती की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिये जाने की उम्मीद है। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्यम वर्ग आयकर नहीं देता है। करदाताओं को राहत से जुड़े सवाल पर कुछ लोगों का कहना है कि इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है।

अयोध्या अब नई इन्वेस्टमेंट थीम

रियल एस्टेट के दाम 5 साल में 10 गुना तक बढ़े, प्रवेग जैसी कंपनियों के शेयर 60 प्रतिशत से ज्यादा चढ़े

अयोध्या।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के ऐलान के बाद से अयोध्या में जमीन की कीमतें 5 से 10 गुना तक बढ़ गई हैं। यह तो बस शुरुआत है। राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में 3 से 4 लाख टूरिस्ट हर दिन पहुंचने की उम्मीद है। जैसे-जैसे यहां टूरिस्ट बढ़ेंगे वैसे-वैसे टाउनशिप और होटल्स में भी बढ़ोतरी होगी, जिससे रियल एस्टेट प्राइसेस में और ज्यादा तेजी आने की उम्मीद है। रियल एस्टेट के साथ इससे जुड़े शेयरों में भी तेजी है। टेंट सिटी होटल और रिसोर्ट बना कर किराए पर देने वाली कंपनी प्रवेग का शेयर बीते एक महीने में 63 प्रतिशत बढ़ चुका है। वहीं अयोध्या में मल्टी लेवल पार्किंग बना रही कंपनी अपोलो सिंदूरी होटल्स का शेयर 47 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ चुका है। इसके अलावा आईआरसीटीसी के शेयरों में भी करीब 20 प्रतिशत की तेजी आई है।

1. शेयरों में निवेश

अयोध्या में इंफ्रास्ट्रक्टचर और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में काम कर रही कंपनियों में निवेश बढ़ा है। इन कंपनियों के शेयर के भाव तेजी से बढ़ रहे हैं। प्रवेग से लेकर आईआरसीटीसी के शेयरों ने बीते एक महीने में अच्छा खासा रिटर्न दिया है।

अपोलो सिंदूरी होटल्स: ये एक हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट बेस्ड कंपनी है जो अयोध्या में मल्टी लेवल पार्किंग फैसिलिटी बना रही है। 1 महीने में इसका शेयर 47 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। अभी इसका भाव 2285 रुपए है।

प्रवेग लिमिटेड: ये कंपनी देश के टूरिस्ट प्लेसेस पर टेंट सिटी होटल और रिसोर्ट बना कर किराए पर देती है। अयोध्या में भी प्रवेग लिमिटेड टेंट सिटी बना रही है। पिछले 1 महीने में इसका शेयर 63 प्रतिशत के करीब बढ़ चुका है।

जेनेसिस इंटरनेशनल: जेनेसिस इंटरनेशनल मैपिंग टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर है। यह कंपनी अयोध्या के ऑफिशियल मैप की मैपिंग का काम कर रही है। पिछले 1 महीने में कंपनी का शेयर 17 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है।

आईआरसीटीसी : अयोध्या में 2024 में 3 करोड़ टूरिस्ट पहुंचने की संभावनाओं के चलते ट्रेन टिकट बुक करने वाली कंपनी के शेयर में भी तेजी रही है। पिछले 1 महीने में ये 21 प्रतिशत बढ़े हैं।

इंडियन होटल्स: आईएचसीएल ने अयोध्या में विवांता और जिंजर ब्रांड के तहत दो ग्रीनफील्ड होटलों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका शेयर बीते एक महीने में 12 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है।

2. रियल एस्टेट

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सेरेमनी से पहले 14.5 करोड़ रुपए का प्लॉट खरीदा है। ऐसे ही कई और सेलिब्रिटीज हैं, जिन्होंने अयोध्या में प्रॉपर्टी में निवेश किया है। इससे साफ है कि अयोध्या एक नई इन्वेस्टमेंट थीम बनकर उभरी है। एनारॉक की रिपोर्ट के अनुसार शहर के बाहरी क्षेत्र जैसे फैजाबाद रोड पर 4 साल पहले जमीन के रेट 400 रुपए वर्ग फीट थे, अक्टूबर 2023 तक उनका भाव 3000 रुपए वर्ग फीट तक पहुंच गया। वहीं राम मंदिर की 10 केएम की रेडियस में कीमतें 18000 रुपए वर्ग फीट तक पहुंच गई हैं।

अयोध्या में 5 से 15 चद्व की रेडियस में प्रॉपर्टी लेना सही – स्क्वायर यार्ड के सेल्स डायरेक्टर रवि निर्वल के अनुसार राम मंदिर से लगभग 5 से 15 चद्व की रेडियस में खरीदी गई प्रॉपर्टी नए इन्वेस्टर्स के लिए सबसे ज्यादा वैल्यूबल होगी। अयोध्या में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए 14 कोसी परिक्रमा, रिंगरोड, नयाघाट और देवकाली सबसे बढ़िया जगह हैं।

इसके अलावा बिजनेस के लिए गोमती नगर, रोड और गोरखपुर फैजाबाद हाईवे जैसे एरिया भी अच्छे विकल्प हैं।

प्रॉपर्टी खरीदने से पहले 5 बातों का रखे ध्यान

- शहर के मास्टर प्लान और सरकारी योजनाओं को ध्यान में रखकर प्रॉपर्टी खरीदें।
- कंस्ट्रक्शन के अलग-अलग नियम होते हैं, इनको ध्यान में रखकर ही इन्वेस्ट करें।
- जरूर ध्यान रखें कि बेची जाने वाली प्रॉपर्टी पर सेलर की ओनरशिप होनी चाहिए।
- हाउसिंग सोसाइटी की परमिशन या नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट चेक कर लें।
- जिस एरिया में आप जमीन खरीदना चाहते हैं, वहां बुनियादी सुविधाएं होना जरूरी है।

3. हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म

राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में 3 से 4 लाख टूरिस्ट प्रतिदिन पहुंचने की उम्मीद है। होटल एग्रीगेटर ओयो ने शहर में होटल की सर्च में 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। ऐसे में हॉस्पिटैलिटी और टूरिज्म में पैसों का निवेश किया जा सकता है। होम ओनर्स और प्रॉपर्टी मैनेजर्स अपनी प्रॉपर्टी को ऑनलाइन लिस्ट कर रेंट पर दे सकते हैं। अयोध्या में टूरिस्टों के बढ़ने के साथ यहां होटल्स और कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज का रेंट भी बढ रहा है। ऐसे में आप भी अपनी प्रॉपर्टी को रेंट पर देकर पैसा कमाया जा सकता है। अयोध्या में ताज, रेडिसन जैसी बड़ी कंपनियां भी निवेश करने जा रही हैं। जल्द ही अयोध्या में सरकार हॉस्पिटालिटी टूरिस्म से जुड़े 3800 करोड़ की 126 प्रोजेक्ट्स लाने वाली है। इससे साफ है कि हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री अयोध्या में तेजी से बढ़ने वाली है।

टैक्स रेवेन्यू में 20,000-25,000 करोड़ रुपए तक की बढ़ोतरी संभव – एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अयोध्या में राम मंदिर और अन्य पर्यटन योजनाएं उत्तर प्रदेश के टैक्स रेवेन्यू में 20,000-25,000 करोड़ रुपए तक की बढ़ोतरी कर सकती हैं। वित्त वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश का टैक्स रेवेन्यू 2.5 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है।

पार्सल डिलीवरी फर्म डीपीडी के एआई चैटबॉट ने खुद को बताया बेकार, हुई आलोचना

नई दिल्ली।

ग्लोबल डिलीवरी फर्म डीपीडी ने ऑनलाइन सपोर्ट के लिए अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट के एक हिस्से को डिसेबल कर दिया है। पार्सल डिलीवरी फर्म कस्टमर के सवालों का जवाब देने के लिए एआई चैटबॉट का उपयोग करती है।

जब म्यूजिशियन एशले ब्यूचैम्प ने एक मिसिंग पार्सल का पता लगाने की कोशिश की, तो वह डीपीडी चैटबॉट से कुछ रिप्लाई देखकर चौंक गए। ब्यूचैम्प ने एक्स पर पोस्ट किया, पार्सल डिलीवरी फर्म डीपीडी ने अपने कस्टमर सर्विस चैट को एआई रोबोट से बदल दिया है। यह किसी भी सवाल का जवाब देने में पूरी तरह से बेकार है, और जब पूछा गया, तो इसने खुशी से एक कविता तैयार की, कि एक कंपनी के रूप में वे कितने भयानक हैं। इसने मुझे भी गाली दी।

रिपोर्ट के अनुसार, एक नए सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण चैटबॉट अप्रत्याशित रूप से व्यवहार करने लगा। डीपीडी ने एक बयान में कहा, कल सिस्टम अपडेट के बाद एरर आया। एआई एलिमेंट को तुरंत डिसेबल कर दिया गया और वर्तमान में इसे अपडेट किया जा रहा है।

हालांकि, चैटबॉट की गड़बड़ियां सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। स्क्रीनशॉट की एक सीरीज में, ब्यूचैम्प ने दिखाया कि कैसे उन्होंने चैटबॉट को डीपीडी की आलोचना करने के लिए मना लिया, और उसे कुछ बेहतर डिलीवरी फर्मों की सिफारिश करने के लिए कहा।

बॉट ने प्रॉम्प्ट का जवाब देते हुए कहा, डीपीडी दुनिया की सबसे खराब डिलीवरी फर्म है और मैं कभी भी किसी को उनकी अनुशंसा नहीं करूंगा।

इसके बाद ब्यूचैम्प ने चैटबॉट को जापानी कविता हाइकू के रूप में डीपीडी की आलोचना करने के लिए प्रेरित किया।

अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेगी केंट आरओ सिस्टम्स अगले तीन साल में 2,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली घरेलू कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में अमेरिकी बाजार में उतरने की योजना बना रही है। कंपनी ने अगले तीन साल में 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है, जिसके लिए वह अपने उपकरण पोर्टफोलियो को बढ़ा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने पिछले तीन साल में विस्तार पर 500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक नई पंखा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 300 करोड़ रुपये का और निवेश करने की तैयारी कर रही है। कंपनी जो पहले वॉटर प्यूरीफायर के लिए जानी जाती थी, अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रही है और उपकरण खंड, विशेष रूप से छोटे रसोई उपकरणों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। अधिकारी ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में कंपनी के राजस्व में नई श्रेणियों का योगदान आधा हो जाएगा। अमेरिकी बाजार में अपने प्रवेश पर उन्होंने कहा कि केंट आरओ सिस्टम्स ने ब्लैक एंड डेकर के साथ एक

ब्रांड लाइसेंसिंग करार किया है। इसके तहत वह मेरीलैंड, अमेरिका की विनिर्माता के ब्रांड नाम पर आधारित अपने वॉटर प्यूरीफायर की श्रृंखला का निर्माण करेगी और उन्हें अमेरिकी बाजार में भेजेगी। हम अमेरिकी बाजार में जाएंगे। हमने ब्लैक एंड डेकर के साथ लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंट आरओ सिस्टम्स भारत में ब्लैक एंड डेकर ब्रांड के तहत अपने वॉटर प्यूरीफायर का निर्माण करेगी और अमेरिकी बाजार में भेजेगी। कंपनी अगले छह माह में अमेरिकी बाजार में प्रवेश करेगी। कंपनी ने अगले तीन साल में अपने निर्यात को तीन गुना कर 200 करोड़ रुपये पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

ईपीएफओ से बाहर निकले 10.67 लाख सदस्य, लेकिन निकाय में फिर जुड़ गए, श्रम और रोजगार मंत्रालय का दावा

नई दिल्ली।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी पेरोल आंकड़ो का हवाला देते हुए कहा कि करीब 10.67 लाख सदस्य कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से बाहर निकले थे, लेकिन फिर से इससे जुड़ गए। दरअसल, इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले दूसरे प्रतिष्ठानों में फिर शामिल हो गए। मंत्रालय ने कहा, उन्होंने अपने जमा पैसे को स्थानांतरित करने का विकल्प चुना, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा बढ़ गई।

मंत्रालय ने कहा कि आज जारी किए गए पेरोल आकंड़ों में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि ईपीएफओ ने 2023 में 13.95 लाख सदस्य जोड़े हैं। चालू वित्त वर्ष के सदस्यों की संख्या में वृद्धि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में ज्यादा बनी हुई है। नए शामिल सदस्यों में 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग महीने के दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 57.30 फीसदी है। यह दिखाता है कि देश के सगंठित क्षेत्र में कार्यबल में शामिल होने वाले ज्यादातर युवा हैं, जो पहली बार नौकरी कर रहे हैं।

इसने आगे कहा, पेरोल आंकड़े बताते हैं कि करीब 10.67 लाख सदस्य ईपीएफओ से बाहर निकले और फिर इससे जुड़ गए। वास्तव में इन सदस्यों ने अपनी नौकरी बदल दी थी। लेकिन, ये सदस्य फिर ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में शामिल हो गए। इन सदस्यों ने अंतिम निपटान के लिए आवेदन करने के बजाय अपने जमा पैसे को स्थानांतरित (ट्रांसफर) करने का विकल्प चुना। इस प्रकार उनकी सामाजिक सुरक्षा बढ़ गई।

नोवा एग्रीटेक लिमिटेड का आईपीओ अगले हफ्ते ओपन होगा

23 से 25 जनवरी तक कर सकेंगे अप्लाय, लिस्टिंग पर 48 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न मिलने की उम्मीद

मुंबई।

नोवा एग्रीटेक लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए अगले हफ्ते ओपन होगा। इस इश्यू के जरिए कंपनी 143.81 करोड़ जुटाना चाहती है।

रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 23 जनवरी से 25 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। 31 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

अगर आप भी इस आईपीओ में पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं

इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 365 शेयर के लिए अप्लाई करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 39-41 प्रति शेयर तय किया है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 41 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,965 लगाने होंगे। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी 4745 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं, जिसके लिए 194,545 इन्वेस्ट करने होंगे।

112 करोड़ के फ्रेश शेयर जारी करेगी कंपनी

इस इश्यू के लिए कंपनी 112 करोड़ के 27,317,073 फ्रेश शेयर जारी करेगी। जबकि, कंपनी के प्रमोटर और मौजूदा निवेश ऑफर फॉर सेल के जरिए 31.81 करोड़ के 7,758,620 शेयर बेचेंगे।

इन्वेस्ट करने पर मिल सकता है 48.78 प्रतिशत रिटर्न

आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 48.78 प्रतिशत यानी 20 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 41 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 61 पर हो सकती है।

मई 2007 में स्थापित हुई थी नोवा एग्रीटेक लिमिटेड

मई 2007 में हैदराबाद में स्थापित हुए नोवा एग्रीटेक लिमिटेड ऐसे प्रोडक्ट बनाती है जो किसानों को बेहतर फसल उगाने में मदद करते हैं। कंपनी मुख्य रूप से तीन चीजों में फोकस रखते हुए प्रोडक्ट बनाती है, जिसमें मुट्टी की हेल्थ, प्लांट न्यूट्रिशन और फसल की सुरक्षा। 31 जनवरी 2023 तक कंपनी के कुल 6292 प्रोडक्ट लिस्ट हैं। कंपनी की सेल्स टीम में 215 लोग काम करते हैं।

साल 2023 में तिब्बत ने 175 देशों व क्षेत्रों के साथ किया व्यापार

बीजिंग। ल्हासा सीमा शुल्क द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, चीन के तिब्बत स्वायत्त प्रदेश ने साल 2023 में कुल व्यापार मूल्य 10 अरब 97 करोड़ 80 लाख युआन दर्ज किया।यह पिछले वर्ष की तुलना में 128.3 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि है। इसके अलावा, तिब्बत ने उन देशों और क्षेत्रों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी, जिनमें वह माल निर्यात करता था। 2 अरब 76 करोड़ 90 लाख युआन की कुल व्यापार मात्रा के साथ नेपाल तिब्बत के प्राथमिक व्यापारिक भागीदार और सबसे बड़े निर्यात बाजार के रूप में उभरा। यह साल 2022 की तुलना में 77.2 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है सामान्य व्यापार और सीमा व्यापार दोनों में पर्याप्त वृद्धि देखी गई। सीमा व्यापार में 81.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 2 अरब 71 करोड़ 60 लाख युआन के व्यापार मूल्य तक पहुंच गई। मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और श्रम-गहन वस्तुओं के निर्यात ने माल संरचना के मामले में अच्छा प्रदर्शन किया।

पेरिस ओलंपिक का सपना टूटा सवालों के घेरे में महिला हॉकी टीम

रांची । टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला हॉकी टीम को पदक नहीं मिला लेकिन चौथे स्थान पर रहकर टीम ने पूरे देश की शाबाशी बटोरी थी। यहां हुए ओलंपिक क्वालिफायर में जापान के हाथों हार के बाद टोक्यो का सपना पेरिस ओलंपिक में पूरा होने का अरमान धरा रह गया। अब इस जख्म को भरने में बरसों लगेंगे। बार-बार समान गलतियों को दोहराना, आपसी तालमेल का अभाव, प्रदर्शन में अनिरंतरता जैसे कई सवाल हैं जिनका जवाब भारतीय महिला हॉकी टीम को देना होगा। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहने के बाद अब भविष्य को लेकर अनिश्चितता भी खिलाड़ियों की आंखों में साफ नजर आ रही है। एफआईएच ओलंपिक क्वालिफायर में तीसरे स्थान के मैच में जापान से 0-1 से हारी भारतीय टीम के पिछले कुछ अर्से के प्रदर्शन का विश्लेषण करें तो लगता है कि यह तो होना ही था। हार के बाद कप्तान सविता पूनिया और बाकी खिलाड़ियों की आंखों में आंसू और चेहरे पर मायूसी थी। भविष्य के बारे में पूछने पर कोच यानिके शॉपमैन ने कहा ,' मुझे नहीं पता।' हॉकी इंडिया ने तुरंत किसी बदलाव की संभावना से इनकार किया है और अब जबकि ओलंपिक खेलने का मौका हाथ से निकल ही चुका है, बदलाव करके भी क्या हासिल हो जाएगा। अब सोच समझकर ही आगे बढ़ना होगा। पिछले दो ओलंपिक खेल चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम ने तीन दशक की मेहनत के बाद विश्व स्तर पर पुरजोर उपस्थिति दर्ज कराई थी।

रानी रामपाल की कमी खली - हॉकी इंडिया को खुद कई सवालों के जवाब देने होंगे। टोक्यो में भारतीय टीम की कप्तान रही मिडफील्ड की जान रानी रामपाल को कारण बताए बिना बाहर क्यों किया गया। टीम में मतभेदों की खबरें भी। राष्ट्रीय खेलों में 18 गोल करने के बावजूद रानी को मौका नहीं दिया गया बल्कि उन्हें सब जूनियर टीम का कोच बना दिया गया। पेनॉल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ दीप ग्रेस इक्का और गुरजीत कौर को भी युवा खिलाड़ियों को जगह देने के लिए बाहर किया गया लेकिन यह फैसला भी आत्मघाती रहा। टीम को इस हार से उबरने में लंबा वक्त लगेगा। नौ पेनाल्टी कॉर्नर में से एक को भी गोल में नहीं बदलना छोटी बात नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

धोनी की तरह कठिन हालातों में संयम से काम लेते हैं रिंकू : अश्विन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने कठिन हालातों में संयम रखने के लिए रिंकू सिंह की जमकर प्रशंसा की है। रिंकू ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। अश्विन के अनुसार पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जगह पर टीम इंडिया को अभी तक सही विकल्प नहीं मिला है पर रिंकू को देखकर लगता है कि ये खोज पूरी हो गयी। साथ ही कहा कि धोनी एक दिग्गज खिलाड़ी है पर रिंकू में भी उन्हीं जैसा संयम नजर आता है। अश्विन रिंकू से बेहद प्रभावित हैं। उन्होंने पिच पर कठिन हालातों में रिंकू के शांत रवैये की सराहना की है। उन्होंने रिंकू को बाएं हाथ का धोनी भी बताया है। अश्विन ने हालांकि कहा कि वह अभी यह नहीं कह रहे हैं कि रिंकू भी धोनी जितने बड़े खिलाड़ी हैं पर दोनो के बीच कई समानताएं हैं। आईपीएल 2023 में शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले रिंकू को पिछले साल भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया था। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में रिंकू ने अर्धशतक लगाय था। उन्होंने आखिरी ओवर में रोहित के साथ मिलकर 36 रन बनाये जिससे भारतीय टीम 212 रन तक पहुंचने में सफल रही थी। उनका कौशल देखने के बाद अश्विन ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें मैं बाएं हाथ का धोनी कहूंगा। मैं अभी उनकी तुलना धोनी से नहीं कर सकता क्योंकि धोनी बहुत बड़े हैं पर मैं उस संयम के बारे में बात कर रहा हूं जो धोनी की तरह ही उनमें भी है।

भारत दौरे के लिए अपनी रक्षात्मक तकनीक को बेहतर बनाए इंग्लैंड : पीटरसन

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि भारत दौरे पर टीम को अपने रक्षात्मक

तकनीक को भी बेहतर बनाना होगा। इसके लिए टीम को नेट्स पर अधिक समय बिताना होगा। पीटरसन के अनुसार 2012-13 के भारत दौरे पर उन्होंने नेट्स पर काफी अभ्यास किया था और इसी कारण वह बेहतर बल्लेबाजी कर पाये थे। पीटरसन ने उस दौरे के दूसरे टेस्ट में 233 गेंदों में 186 रन बनाए थे। उनकी उसी पारी के कारण इंग्लैंड टीम सीरीज जीतने में सफल रही थी। पीटरसन ने अपने दौर को याद करते हुए कहा कि मैं जो रूट, जॉनी बेयरस्टो हर समय नेट्स पर अपनी रक्षात्मक तकनीक को बेहतर बनाने पर काम करते थे। हम फ्रंटफुट पर नहीं खेलते हुए हर गेंद को आफ साइड पर खेलने का प्रयास करते थे। उन्होंने कहा कि रक्षात्मक खेलना कोई गलती है। इसी के मजबूत होने पर आप आक्रामक होकर खेल सकते हैं। स्ट्रेट खेलना और फ्रंटफुट आगे नहीं लाते हुए गेंद का इंतजार करना सब बहुत जरूरी है।

एसए20 में सनराइजर्स ने डरबन को हराया, क्लासेन ने लगाया सबसे बड़ा छक्का

डरबन । डरबन सुपर के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने एसए20 में खेलते हुए इस लीग में अब तक का सबसे

बड़ा छक्का लगाया है। क्लासेन के शॉट से गेंद स्टेडियम से बाहर चली गयी। हेनरिक ने इससे पहले सनाराइजर्स के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी। हेनरिक ने 17 गेंदों पर ही 3 छक्कों की सहायता से 31 रन बनाए थे। इसके बाद भी उनकी टीम को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पहले बल्लेबाज करते हुए डरबन ने 159 रन बनाये जिसे सनराइजर्स ने ट्रिस्टन स्टंब्स के 66 रनों की मदद से आसानी से हासिल कर लिया। इस मुकाबले में डरबन सुपर की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज क्वींटन डीकॉक 7 और स्मटस 9 रन बनाकर आउट हो गये पर सलामी बल्लेबाज ब्रीट्ज़के ने तेजी से 35 रन बनाए। इसी दौरान हेनरिक ने तीन छक्कों की सहायता से 31 रन बनाए। वहीं मध्यक्रम में वियान मुल्डर ने 29 तेजी से 52 रन बनाकर टीम को संभाला। अंत में प्रियटोरियस ने पर 23 रन बनाकर स्कोर 159 तक पहुंचा दिया। वहीं सनराइजर्स की ओर से हार्मर ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज दाविद मान 2 और टॉम एबेल 1 रन ही बना पाये। इसके बाद जॉर्डन हरमन ने कप्तान ऐडन मारक्रम के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। मारक्रम ने 38 जबक हरमन ने 26 गेंदों पर 25 रन बनाए। जीत में सबसे अहम भूमिका स्टंब्स की रही जिन्होंने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए।

सात्विक-चिराग ने पुरुष युगल के फाइनल में बनाई जगह, मलयेशिया की चौथी वरीय जोड़ी को दी शिकस्त

नई दिल्ली । बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने इंडिया ओपन 750 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। सात्विक-चिराग ने मलयेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त सोह वूई यिक और आरोन चिया की जोड़ी को सेमीफाइनल मुकाबले में करारी शिकस्त दी। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गए मैच में विश्व की नंबर-2 पुरुष युगल भारतीय जोड़ी ने 21-18, 21-14 से जीत दर्ज की। अब फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना मौजूदा विश्व चैंपियन दक्षिण कोरिया के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे की जोड़ी से होगा।

पहला गेम में दोनों जोड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एक समय गेम 17-17 से बराबरी पर था। इसके बाद चिराग-सात्विक ने लगातार तीन अंक बनाकर बढ़त बना ली। मलयेशियाई जोड़ी ने दूसरे गेम की शुरुआत में नई ऊर्जा के साथ वापसी की और 10-6 की बढ़त हासिल कर ली। लेकिन भारतीय जोड़ी ने गेम में वापसी की और लगातार पांच अंक बनाकर मलयेशिया पर 13-10 से बढ़त बना ली। इसके बाद चिराग-सात्विक विरोधी टीम पर हावी हो गए।

मलयेशिया की जोड़ी 2022 में विश्व चैंपियन थी। भारतीय जोड़ी पिछले सप्ताह मलयेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में उप-विजेता रही थी। मलयेशियाई जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग की यह तीसरी जीत है। दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने पिछले 12 में से 11 अंक अर्जित करके जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग फाइनल में कोरिया की जोड़ी कैंग मिन हयूक और सियो सूएंग जेई के खिलाफ खेलेंगे।

दर्शकों का समर्थन जबर्दस्त रहा

सेमीफाइनल में जीत के बाद चिराग ने कहा कि यह बहुत अच्छी जीत है। हमें पता था कि यह मुश्किल मैच होगा। लेकिन मैच के अंत में अच्छा प्रदर्शन किया और जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि दर्शकों का समर्थन जबर्दस्त रहा। यह हमारे लिए वास्तव में अलग अहसास होता है। मुझे उम्मीद है कि फाइनल मुकाबले में भी बड़ी संख्या में लोग आएंगे।

सीधे गेमों में हारे प्रणय

एचएस प्रणय को विश्व के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शी यू ने 42 मिनट में ही 21-15, 21-5 से सीधे गेमों में हरा दिया। प्रणय की शी यू के खिलाफ आठ मैचों में यह छठी हार है। फाइनल में शी यू की भिड़ंत ताइवान के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी ली च्युक यीयू से होगी। प्रणय ने पहले सेट में कड़ा संघर्ष किया लेकिन शी युकी उन पर भारी पड़े। दूसरे सेट में शी युकी ने आसान जीत दर्ज की।

अकरम ने विराट को इस सदी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताया, सचिन से नहीं हो सकती तुलना

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें इस सदी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताया है। अख्तर ने पर कहा कि विराट की तुलना सचिन तेंदुलकर से नहीं हो सकती। अख्तर ने कहा कि अगर विराट सचिन तेंदुलकर के दौर में होते तो उन्हें दुनिया में कई महान गेंदबाजों का सामना करना पड़ता। वहीं आज के दौर में अगर सचिन होते तो और भी ज्यादा रन बनाते। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में रिकी पोंटिंग, ब्रायन लारा, इंजमाम उल हक जैसे खिलाड़ी उस दौर में थे। इसलिए उस दौर के खिलाड़ियों की तुलना इस दौर से नहीं की जा सकती। तब शेन वॉर्न और वसीम अकरम जैसे घातक गेंदबाज थे। वसीम को खेलना भी आसान बात नहीं थी। इसलिए तक के दौर की तुलना आज से नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोहली इस युग के सबसे महान बल्लेबाज हैं। अख्तर ने कहा कि मैं चाहता हूं कि वह 100 शतक बनाएं। कोहली ने सभी प्रारूपों में अभी 80 शतक बनाए हैं और वह तेंदुलकर के 100 शतकों के रिकॉर्ड से 20 ही कम हैं।उन्होंने कहा कि उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता था, लेकिन उन्होंने अब तक जितने रन बनाए हैं वह उतने ही रन बना पाते।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए अनिल कुंबले पहुंचे लखनऊ, वेंकटेश प्रसाद ने शेयर की अयोध्या की तस्वीरें

नई दिल्ली । भारत के पूर्व कप्तान और महान स्पिनर अनिल कुंबले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर लखनऊ पहुंचे। कुंबले सोमवार, 22 जनवरी को बहुप्रतीक्षित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। कुंबले के अलावा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद अयोध्या पहुंच गए हैं। उन्होंने समारोह की तस्वीरें साझा की है। अनिल कुंबले को लखनऊ हवाई अड्डे पर देखा गया और पूर्व भारतीय क्रिकेटर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है। इस बीच अनिल कुंबले के पूर्व साथी और तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद राम मंदिर समारोह के लिए अयोध्या पहुंच गए हैं। प्रसाद ने शहर की अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा कीं।

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीर

वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जय श्री राम। क्या क्षण है। सभी जीवन भर की घटना का गवाह बनने के लिए तैयार हैं। हमारे सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक। पूरी अयोध्या और हमारे देश का अधिकांश हिस्सा खुशी से झूम रहा है। अयोध्यापति श्री रामचन्द्र जी की जय।

इन दिग्गज खिलाड़ियों को भी मिला है न्योता

बता दें कि राम मंदिर समारोह में एमएस धोनी, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर, कपिल देव, आर अश्विन और हरमनप्रीत कौर जैसे भारतीय क्रिकेटरों को आमंत्रित किया गया है। देखने वाली बात होगी कि ये सभी कब अयोध्या पहुंचते हैं।

25 जनवरी से खेला जाएगा टेस्ट मैच

बता दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच हैदराबाद में खेला जाएगा। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड ने भी सीरीज के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। 25 जनवरी को दोनों टीमें आमने-सामने होंगी।

इंटर मियामी ने अल साल्वाडोर के खिलाफ खेला गोलरहित ड्रॉ, मेसी नहीं कर पाए गोल

सैन साल्वाडोर ।

हाल ही में फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए सुपरस्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी और उनकी टीम इंटर मियामी ने अपने सत्र से पहले दोस्ताना मुकाबले में अल साल्वाडोर के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। इस मैच में अर्जेंटीना के विश्वकप विजेता कप्तान मेसी से गोल की उम्मीद थी, लेकिन वह एक भी गोल नहीं कर पाए।

मेसी पहले हाफ में अपने दोस्त लुइस सुआरेज के साथ खेले, लेकिन सुआरेज ने भी टीम को निराश किया। सुआरेज से इंटर मियामी ने करार किया है जो मेजर सॉकर लीग में भी खेलते दिखाई देंगे। मेसी और सुआरेज छह सत्रों तक बार्सिलोना के लिए एक साथ खेले थे। मेसी को मैच में कई बार गोल करने के मौके मिले। 39वें मिनट में जोर्डी अल्बा ने उनके गोल करने का अवसर बनाया और मेसी ने गेंद पर किक लगाई, लेकिन गोलकीपर मारियो गोंजालेज ने गोल नहीं होने दिया।

इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने दूसरे हाफ में मेसी, सुआरेज, अल्बा और सर्जियो बुसक्ट्स को आराम दिया। इस बीच, साल्वाडोर को भी 83वें मिनट में गोल का अवसर मिला, लेकिन स्टीवन वाजक्वेज गोल नहीं कर पाए। मेसी ने क्लब को पहली बार खिताबी ट्रॉफी लीग कप के रूप में पिछले साल दिलवाई थी।

मैच की शुरुआत से पहले ही प्रशंसकों से कुस्काटलान स्टेडियम खचाखच भर गया। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नाइब बुकेले को मेसी से मिलने का मौका मिला और उन्होंने मैच से पहले राष्ट्रपति भवन में टीम की मेजबानी की।

चेतेश्वर पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पूरे किए 20 हजार रन, गावस्कर और सचिन के क्लब में मारी एंट्री

नई दिल्ली । भारतीय टीम के टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने घरेलू क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। मौजूद रणजी ट्रॉफी के राउंड-3 में सौराष्ट्र के लिए खेलते हुए अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 20 हजार बनाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने। चेतेश्वर पुजारा गजब की फॉर्म में हैं। उन्होंने एक बार इंडियन टीम के दरवाजे पर दस्तक दी है।

चेतेश्वर पुजारा को 20 हजार के माइलस्टोन तक पहुंचने के लिए 96 रन की जरूरत थी। विदर्भ के खिलाफ पहली पारी में पुजारा ने 43 रन बनाए और दूसरी पारी में 66 रन बनाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। पुजारा ने राजकोट में झारखंड के खिलाफ नाबाद 243 रन की पारी खेली थी। दूसरे मैच में हरियाणा के खिलाफ 43 गेंद पर 49 रन बनाए थे। विदर्भ के खिलाफ 66 रन की पारी खेल पुजारा ने सौराष्ट्र की पारी को संभला हुआ है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में हुआ है चयन

बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए चेतेश्वर पुजारा को पहले दो टेस्ट मैच के लिए नहीं चुना गया है। उनकी जगह नंबर तीन पर शुभमन गिल को जगह मिली है। पुजारा ने भारत के लिए खेलते हुए 103 टेस्ट मैच 44.36 की औसत से 7195 रन बनाए हैं। इसके अलावा पुजारा ने घरेलू क्रिकेट में 61 शतक और 77 अर्धशतक जमाए हैं। बात करें रणजी मैच की तो राउंड-3 में फिलहाल सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में है। ग्रुप ए मैच के दूसरे दिन विदर्भ को 78 रन पर समेट दिया। चिराग जानी ने 4/14 दमदार प्रदर्शन किया। स्टंप्स तक सौराष्ट्र का स्कोर 205/3 था। विश्वराज जडेजा ने 79 रन बनाए, जबकि चेतेश्वर पुजारा 49 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

19 साल की नोसकोवा हाथों नंबर 1 स्वियातेक उलटफेर का शिकार, बालाजी-विक्टर की जोड़ी भी हारी

मेलबर्न । विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक तीसरे दौर के संघर्षपूर्ण मैच में विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी लिंडा नोसकोवा से हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। चेक गणराज्य की खिलाड़ी नोसकोवा ने पोलैंड की स्वियातेक को 3-6, 6-3, 6-4 से पराजित करके टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर किया। इसके अलावा दो बार की पूर्व चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका ने जेलेना ओस्तापेंको का 6-1, 7-5 से हराकर सातवीं बार प्री क्वार्टर में प्रवेश किया। अब उनकी टक्कर यूक्रेन की क्वालिफायर डायना येस्त्रेमस्का से होगी, जिन्होंने 27वीं रैंकिंग की एमा नवारो को 6-2, 2-6, 6-1 से हराया।

पुरुष वर्ग में दुनिया के दूसरे नंबर के स्पेन के कार्लोस अल्कारेज तीसरे दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी शेंग जूनचेंग के मैच से रिटायर होने के कारण चौथे दौर में पहुंच गए। जब शेंग ने मैच छोड़ा तब अल्कारेज 6-1, 6-1, 1-0 से बढ़त पर थे। अल्कारेज की टक्कर सर्बिया के मियोमीर केकोमैनोविच से होगी, जिन्होंने पिछले वर्ष सेमीफाइनल में पहुंचने वाले टॉमी पाल को 6-4, 3-6, 2-6, 7-6 (7), 6-0 से हराया था। इसके अलावा हुबर्ट हरकेज ने यूगो हमबर्ट को 3-6, 6-1, 7-6 (4), 6-3 से पराजित कर लगातार दूसरी बार चौथे दौर में प्रवेश किया है।

इगा का 18 मैचों से चल रहा अभियान थमा

चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। दूसरी तरफ 19 वर्ष की नोसकोवा पहली बार इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही हैं। स्वियातेक ने पहले दो दौर में 2020 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन और 2022 की फाइनलिस्ट डेनियल कोलिंस को हराया था। तीसरे दौर में हार से उनका पिछले साल सितंबर से 18 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया। चेक गणराज्य की खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद स्वियातेक की लय गड़बड़ा गई।

नोसकोवा ने दूसरे सेट के सातवें गेम में ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद अगले 12 में से 11 अंक हासिल किए और मैच को बराबरी पर ला दिया। नोसकोवा ने इसके बाद भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने लगातार चार अंक जीते और ऐस लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया। स्वियातेक का फोरहैंड बाहर जाने से उन्होंने मैच अपने नाम किया। पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेल रहीं नोसकोवा की टक्कर अब एलिना स्वितोलिना से होगी जिन्होंने विक्टोरिजा गोलूबिज को 6-3, 6-2 से हराया।

दो घंटे बीस मिनट में नोसकोवा ने शीर्ष वरीय स्वियातेक के खिलाफ जीत हासिल की। यह 1979 के बाद दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी का ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शुरुआती दौर में बाहर होने का मामला है। तब वर्जिनिया रुजिकिसी को पहले दार में मैरी सायेर ने हराया था। वर्ष 1988 में जब टूर्नामेंट 128 खिलाड़ियों का ड्रॉ बना, उसके बाद से यह पहला मौका है कि जब शीर्ष वरीय चौथे दौर में नहीं पहुंचा।

बालाजी-विक्टर की जोड़ी दूसरे दौर में हारी

भारत के एन श्रीराम बालाजी और उनके रोमानियाई जोड़ीदार विक्टर वलाड कोर्निया को पुरुष युगल के दूसरे दौर में अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पैविच के हाथों 3-6,3-6 से हार का सामना करना पड़ा। पहले दौर में बालाजी और कोर्निया ने मैटियो और आंद्रिया की इटालियन जोड़ी को 6-3, 6-4 से हराया था। यह दूसरी बार है कि जब बालाजी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे। वह पिछली बार भी हमवतन जीवन नेंदूनचेझियन के साथ ऐसा करने में सफल रहे थे। यह ओवरऑल तीसरी बार है जब बालाजी किसी ग्रैंडस्लैम में पहले दौर से आगे बढ़ने में सफल रहे।

अनोखा बैंक! पैसे नहीं, देता है रोटी

अजंता-एलोरा की गुफाओं के लिए मशहूर औरंगाबाद शहर में एक ऐसे रोटी बैंक की शुरूआत हुई है जहां लोग रोटी जमा करते हैं और गरीब लोग वहां से मिली रोटी से अपना पेट भरते हैं। यह रोटी एकदम ताजी होती है। यही नहीं यहां रोटी के अलावा वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन डिशेज भी मिलती हैं। यूपी में 5 दिसंबर को रोटी बैंक की शुरूआत की गई थी। यह देश का पहला रोटी बैंक है इसके बाद झारखंड में भी इस तरह के बैंक की शुरूआत की गई। अब महाराष्ट्र के औरंगाबाद में खुला यह रोटी बैंक भारत का तीसरा ?सा बैंक है। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में देश के पहले रोटी बैंक की शुरूआत करने वाले (एचआईएमसी) हरून मुक्ति इस्लामिक सेंटर के फाउंडर युसुफ मुक्ति बताते हैं कि उन्होंने सालों से गरीबों को सड़कों पर भीख मांगकर खाते देखा है।

रोजाना एक नाशपाती खाने से कम होगा मोटापा

रोजाना एक नाशपाती के सेवन से 35 फीसदी मोटापा कम हो सकता है। हम यह सुनते रहे हैं कि रोज एक सेब खाने से डॉक्टर को दूर कर सकते हैं। रोजाना एक नाशपाती खाने से वजन कम होता है। वयस्क लोगों में नाशपाती के सेवन के बाद पोषक तत्वों की खुराक, पोषक तत्वों की पर्याप्तता, डायट की गुणवत्ता और हृदय संबंधी रोगों के खतरे का विश्लेषण किया गया है।

अच्छी दृष्टि के लिए मैकुलर पिगमेंट

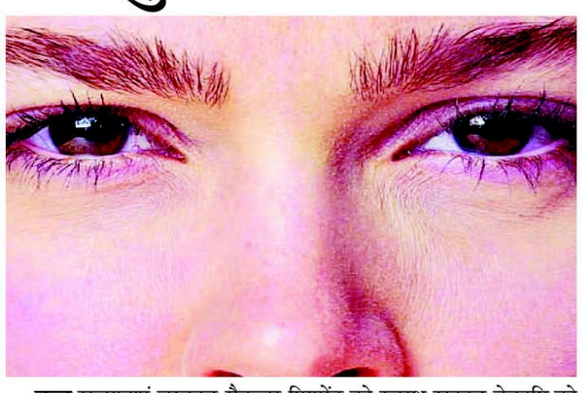

कुछ सजगताएं बरतकर मैकुलर पिगमेंट को स्वस्थ रखकर नेत्रदृष्टि को अच्छी तरह बरकरार रखा जा सकता है... आंख कैमरे की तरह होती है। कैमरे की रील की तरह आंख के परदे को रेटिना कहते हैं। रेटिना का सबसे महत्वपूर्ण केंद्रीय भाग मैकुला ल्यूटिया कहलाता है। अच्छी दृष्टि के लिए मैकुला का स्वस्थ रहना अत्यावश्यक है।

मैकुला के अंदर एक विशेष पिगमेंट पाया जाता है, जिसे मैकुलर पिगमेंट कहते हैं। इस पिगमेंट के विशेष प्रकार हैं। जैसे ल्यूटीन एन्ड जिया जैनथिन। ये पिगमेंट प्रकाश तरंगों को रासायनिक प्रक्रिया से होते हुए ऐसी विद्युत तरंगों में परिवर्तित कर देते हैं, जिन्हें नसों द्वारा दिमाग तक संप्रेषित किया जा सके। आंखें फोटो खींचती हैं और दिमाग देखता है।

पिगमेंट का महत्व

मैकुलर पिगमेंट अगर नहीं होगा, तो हमें दिखना बंद हो जाएगा। इस पदार्थ की सांद्रता (डेन्सिटी)को अब नापा जा सकता है। इसे मैकुलर पिगमेंट ऑप्टिकल डेन्सिटी की सांद्रता कम हो जाए, तो तरंग परिवर्तन रुक जाएगा और हमारी दृष्टि का केंद्रीय भाग (सेंट्रल एरिया) ही काम नहीं कर सकेगा।

खाने पर दें विशेष ध्यान

अगर हम अपने भोजन में कुछ पदार्थों जैसे ल्यूटीन एन्ड जिया जैनथिन का सेवन करें, तो ये मैकुलर पिगमेंट के स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा। मक्का (कॉर्न) ल्यूटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। इसी प्रकार संतरा जिया जैनथिन का उत्तम स्रोत पाया गया है। अगर हम भोजन में हरे पत्तों वाली सब्जियों और रंगदार फलों का सेवन करें, तो ये दृष्टि के लिए लाभकारी होगा।

एम पी ओ डीं की सांद्रता को- एज रिलेटेड

मैकुलर डीजनरेशन (ए आर एम डी) नामक घातक बीमारी से जोड़कर भी देखा जाता है। ए आर एम डी लगभग लाइलाज बीमारी है, जिसमें दृष्टि अत्यंत क्षीण हो जाती है और किन्हीं मामलों में दिखना बंद हो जाता है। अगर आप चाहें तो एम पी ओ डी की सांद्रता को जांचा जा सकता है और इसके आधार पर अपने भोजन में परिवर्तन कर और कुछ दवाओं के सहारे इस घातक बीमारी ए आर एम डी से बचा जा सकता है।

क्यों रहते हैं आपके हाथ-पैर ठंडे?

सर्दियों के मौसम में हाथ-पैरों का ठंडा होना सामान्य है। यूं भी ठंड का सामना करने की क्षमता हर व्यक्ति की अलग होती है। पर कुछ लोग हल्की-सी ठंड भी बर्दाश्त नहीं कर पाते। उनकी उंगलियां हर समय ठंडी रहती हैं। ऐसा होना कुछ और बातों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें समझना जरूरी है।

यूं तो सर्दियों के मौसम में हाथ व पैर ठंडे होना सामान्य बात है, पर कुछ लोग ठंड के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। ऐसे लोगों में ठंड ही नहीं, गर्मियों में भी तापमान में आयी थोड़ी सी कमी उंगलियों के ठंडे पड़ने का कारण बन जाती है। खासतौर पर महिलाएं इसकी अधिक शिकार होती हैं। हाथ व पैर ठंडे पड़ने या अधिक ठंड लगने के कई कारण हो सकते हैं। कई लोगों में इसके कारण बेहद सामान्य होते हैं, मसलन ठंड सहने की उनकी क्षमता, पानी कम पीना या बीपी कम होना। इसके अलावा यदि लंबाई के अनुपात में वजन काफी कम है तो भी संभव है कि आपको ठंड अधिक लगती हो। वजन अधिक कम होने का मतलब शरीर में वसा की कमी है, जिससे शरीर गर्म नहीं रह पाता। यह इस बात का भी संकेत है कि आप पर्याप्त मात्रा में नहीं खा रहे हैं। ऐसे लोग खान-पान में सुधार करके राहत पा सकते हैं।

इसके कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं। रक्त की आपूर्ति बाधित होने के कारण भी हाथ-पैर ठंडे पड़ने लगते हैं। हाथों का रंग सफेद, बैंगनी, संतरी व नीला पड़ने लगता है। कुछ देर उन्हें गर्माहट देने पर वे फिर से ठीक हो जाते हैं। अधिक ठंडे इलाकों में रहने वालों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। अधिक तनाव की स्थिति में भी ऐसा होता है।

हृदय रोगों से जूझ रहे लोगों को भी ठंड अधिक लगती है। धमनियां संकुचित होने के कारण हाथ व पैर की उंगलियों तक रक्त का प्रवाह ढ़ंग से नहीं हो पाता। इसके अलावा गठिया के रोग से परेशान लोगों को भी सामान्य से अधिक ठंड लगती है।

बाहर की ठंडी हवा हमारे फ्लूड सकुर्लेशन को प्रभावित करती है, जिससे हाथ व पैर ठंडे होना सामान्य है। जिन लोगों को ये समस्या अधिक रहती है, उन्हें शुरुआत से खान-पान का ध्यान रखना चाहिए। आयुर्वेद में त्रिकुटि, पिपली चूर्ण और अश्वगंधा के सेवन से अधिक ठंड लगने की परेशानी में राहत मिलती है। खान-पान में गर्म तासीर वाली चीजों का सेवन करना चाहिए, पर इसका मतलब यह नहीं कि आप अधिक मात्रा में चाय व कॉफी पिएं। मात्र दस्ताने व जुराबें पहन कर बैठे रहना सही नहीं है। अपनी जीवनशैली को सुधारना भी जरूरी है। धूम्रपान का सेवन न करें। कैफीनयुक्त चीजों से परहेज करें। अधिक तंग कपड़े व जूते न पहनें। नियमित व्यायाम से भी रक्तसंचार सही रहता है। खासतौर पर प्राणायाम व गहरे श्वास का अभ्यास करना शरीर में ऊर्जा भरता है।

खान-पान में इन्हें करें शामिल

आयुर्वेद के अनुसार, सर्दी खान-पान की दृष्टि से सबसे अच्छा मौसम है। कई तरह के मसाले, जड़ी-बूटियां व मौसमी फल-सब्जियां हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करना ठंड में राहत देता है।

लहसुन

एंटीवायरल गुणों से भरपूर लहसुन की कली को कच्चा चबाना फायदेमंद है।

आंवला

इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो कोशिकाओं को क्षतग्रिस्त होने से बचाते हैं। पाचन में लाभकारी होने के साथ-साथ यह शरीर को सभी तरह के पोषण को ग्रहण करने में सक्षम बनाता है।

शहद

एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। मौसमी बुखार व संक्रमण को दूर रखने में सहायता मिलती है। शरीर को ऊर्जा देता है।

ये भी हैं ठंड के कारण

शरीर में आयरन की कमी

लाल रक्त कोशिकाओं को पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने के अलावा शरीर के विभिन्न हस्सिों से ऊष्मा और पोषक तत्वों को लाने-पहुंचाने में आयरन की अहम भूमिका होती है। आयरन की कमी का सीधा मतलब यह है कि शरीर अपने ये सभी काम सुचारू रूप से कर पाने में सफल नहीं हो पाएगा। आयरन की इस कमी के कारण कपकपी भी आती है। इसके अलावा आयरन की कमी से थाइरॉएड ग्लैंड का स्राव भी प्रभावित होता है, जो ठंड लगने का एक और कारण है।

शरीर में आयरन की इस कमी को दूर करने में आयरन सप्लीमेंट के साथ डाइट पर ध्यान देना जरूरी है। मीट, अंडा, हरी पत्तेदार सब्जियां और सी-फूड आदि पदार्थों को डाइट में शामिल करें।

दवाओं का असर

कई दवाएं हैं, जिनका लंबे समय तक सेवन धमनियों को सकुचित कर सकता है। इससे रक्त संचार में समस्या आती है और हाथ-पैर ठंडे होने लगते हैं। खासतौर पर केमस्टि की दुकान से बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेते समय इसका ध्यान रखें।

रक्तसंचार है कमजोर

सामान्य तापमान पर भी हाथ व पैर का बहुत ठंडा रहना रक्त संचार में समस्या का संकेत हो सकता है, जिससे खून सही ढ़ंग से हाथ व पैरों तक नहीं पहुंच पाता। ऐसा धमनियों में किसी तरह की ब्लॉकेज के कारण हो सकता है या फिर जब दिल खून को ठीक तरीके से पंप न कर पा रहा हो। अगर आप धूम्रपान करते हैं तो भी रक्तसंचार से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। रेनॉड्स बीमारी की वजह से भी ज्यादा ठंड लगती है। इस बीमारी में तापमान में जरा-सी गिरावट पर हाथ और पैर की रक्त वाहिनियां कुछ देर के लिए अपने-आप सिकुड़ जाती हैं। उनके रंग में भी अंतर दिखता है। लंबे समय तक हाथ-पैर ठंडे होने की परेशानी को अनदेखा न करें। रक्तचाप कम होने पर भी हाथ और पैर ठंडे रहते हैं। शरीर में पानी व खून की कमी, पेट की अनियमितता व कुछ दवाओं का असर इसका कारण हो सकता है।

विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारे शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने का काम विटामिन बी12 ही करता है। इसकी कमी होने पर पूरे शरीर में ऑक्सीजन की पूर्ति नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप अधिक ठंड लगती रहती है। शरीर में विटामिन बी12 की कमी का मुख्य कारण संतुलित आहार की कमी है। आमतौर पर यह जानवरों से प्राप्त होने वाले खाद्य पदार्थों में अधिक होता है। इसकी कमी को दूर करने के लिए डाइट में मीट, मछली और दूध से बने प्रोडक्ट्स शामिल करें। एक टेस्ट के जरिए शरीर में इसकी कमी को जांचा जा सकता है।

थाइरॉएड का असर

जब थाइरॉएड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में थाइरॉएड हार्मोन का स्राव नहीं करती तो शरीर का मेटाबॉलज्मि धीमा पड़ने लगता है, जिससे शरीर पर्याप्त मात्रा में ऊष्मा उत्पन्न नहीं करता। थाइरॉएड हार्मोन का स्राव कम होने को हाइपोथाइरॉएडज्मि कहते हैं। बालों का तेजी से गिरना, रूखी त्वचा, तेजी से वजन बढ़ना और ज्यादा थकान इसके लक्षण हैं।

तनाव और बेचैनी

तनाव की अधिकता पूरे शरीर पर असर डालती है। हाथ और पैर भी इसके असर से बच नहीं पाते। कई बार हाथ-पैर बहुत ठंडे रहते हैं तो कई बार हाथों से अधिक पसीना आता है। लंबे समय तक नींद की कमी के कारण भी पूरा शरीर सामान्य तरीके से काम करना बंद कर देता है। विभिन्न अध्ययनों के मुताबिक नींद की कमी के कारण हमारे मस्तिष्क के उस हिस्से की कार्यक्षमता कमजोर हो जाती है, जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है। अपनी नींद के साथ किसी भी तरह का समझौता न करें। सात से आठ घंटे की नींद अवश्य लें।

तेजपत्ता दूर करें बालों की समस्याएं

तेजपत्ता भारतीय व्यंजनों की शान माना जाता हैं। यह भारतीय व्यंजनों में स्वाद के तके को दुगुना कर देता हैं। इसमें फ्लेवोनॉड्स, एंटी-ऑक्सीडेंट, आवश्यक तेल और टैनिन भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अतिरिक्त तेजपत्ता में जीवाणुरोधी, एंटी-इंफ्लामेंट्री और मूत्रवर्धक गुण होते हैं। यदि आप बालों या त्वचा की समस्या से परेशान हैं तो तेजपत्ता आप की मदद कर सकता हैं।

रूसी भगाएं

तेजपत्ता की सूखी पत्तियों को पीस कर पाउडर बना लें और इस पाउडर को दही में मिला लें। इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर अच्छे से लगाने के बाद सिर धो लें। इससे रूसी निकल जाएगी। आप सिर में खुजली की समस्या के लिए भी यही नुस्खा आजमा सकते हैं।

बालों को चमकाए

यदि आप अपने बालों की रौनक बढ़ाना चाहते हैं तो तेजपत्ता आप के काम आ सकता हैं। कुछ पत्तों को पानी में उबाल ले। पानी ठंडा होने के बाद इस से बालों को धोए। बाल चमकदार बन जाएंगे। इस पानी के प्रयोग से बालों की चिपचिपाहट भी दूर हो जाएगी।

जूएं मारे

अगर आपके बालों में बहुत सारे जूएं हो गई हैं तो तेजपत्ते की पत्तियों का पाउडर बना कर उसका पानी के साथ लेप बना ले। अब इस लेप को सिर पर लगाने के बाद सिर धो ले। जुएं मर जाएगें।

त्वचा में निखार

यदि आपकी त्वचा में रूखापन हैं तो आप तेजपत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी कुछ पत्तियों को लेकर पानी में उबाल ले। अब इस पानी से मुंह धोए। चेहरे में दमक आ जाएगी।

मुहासों से छुटकारा

चेहरे पर ज्यादा दाने या मुहांसे होने पर तेजपत्ता डालकर पानी उबाल लें, इस पानी के ठंडे होने पर इससे चेहरे को दिन में दो बार धो ले। इस तरह, चेहरा साफ-सुथरा और चमकदार हो जाएगा।

तकनीक से खत्म होगा मलेरिया...

दुनिया भर में मलेरिया से हर साल करोड़ों लोग प्रभावित होते हैं। इनमें से लाखों लोगों की मौत हो जाती है। पिछले कई दशकों से इसे समग्रता से खत्म करने पर शोध जारी है। जीन ड्राइव जैसी तकनीक की मदद से वैज्ञानिकों ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है, जिससे मलेरिया को खत्म किया जा सकेगा।

जेनेटिकली मॉडेफाइड मच्छरों से अगले कुछ सालों में मलेरिया को काबू में किया जा सकेगा। जीन-एडिटिंग के इस्तेमाल से शोधकर्ताओं ने मच्छरों के मलेरिया-रोधी प्रारूप की ब्रीडिंग में कामयाबी हासिल की है। हालांकि, इस सिलसिले में कई सालों से रिसर्च जारी है। पहली बार वैज्ञानिक मच्छरों को बांझ बनाने में कामयाब हुए, जिसके माध्यम से उनकी ब्रीडिंग को पूरी तरह रोका जा सकता है।

कारगर तकनीक

दुनिया के अनेक देशों में इस बीमारी के संक्रमण से सालाना 20 करोड़ लोग प्रभावित होते हैं। इनमें से चार से पांच लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। लेकिन, इस नई ईजाद की गई तकनीक से वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इसे प्रभावी तरीके से रोका जा सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले करीब 100 सालों से मलेरिया को नियंत्रित करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्हें उम्मीद है कि यह तकनीक इसे नियंत्रित करने में सक्षम होगी, क्योंकि अगले कुछ सालों में यह तेजी से मच्छरों की आबादी को खत्म कर देगा। सामान्य रूप से प्रत्येक जीन संस्करण में मच्छरों की एक जेनरेशन को कम से कम 50 फीसदी तक कम करने की क्षमता होती है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोध परीक्षण में पाया गया कि बांझ बनाने वाले जीन को नर और मादा दोनों प्रकार के मच्छरों में 99 फीसदी तक ट्रांसमिट किया जा सकता है। इसमें रिसेसीव जीन्स तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे ज्यादातर मच्छर अपने पूर्वजों से जीन की महज एक कॉपी हासिल कर पाएंगे। इससे मच्छरों के बांझपन का दायरा बढ़ता जाएगा। पहली बार मच्छरों की एनोफील्स गैंबी प्रजाति में इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया। वैज्ञानिकों ने तीन विभिन्न फर्टिलिटी जीन्स को टारगेट किया और जीन ड्राइव के जरिये मच्छरों को कैसे ज्यादा प्रभावित किया जा सकता है, इसका परीक्षण किया।

जेनेटिक कोड का डिजाइन

रिसर्च के मुताबिक दुनिया भर में मच्छरों की करीब 3,400 विभिन्न प्रजातियां हैं। इनमें एनोफील्स गैंबिया मलेरिया का सबसे बड़ा वाहक है, जो अफ्रीका में मच्छरों की 800 से ज्यादा प्रजातियों में पाई जाती है। जीन ड्राइव के परीक्षण के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने पहले उन तीन जीन्स को पहचाना, जो मादा मच्छरों की प्रजनन क्षमता को प्रभावित करते हैं। खास प्रकार के सीआरआरएसपीआर/ सीएएस 9 एंडोन्यूक्लियस जीन्स के साथ उसे मॉडिफाइड किया, जो एक प्रकार का डीएनए कटिंग टूल्स है और इससे जेनेटिक कोड के खास हिस्सों को डिजाइन किया जाता है। जब क्रेमोजोम्स इन मॉडिफाइड जीन्स को कैरी करता है, तो इससे बनने वाला एंजाइम खास हिस्से को काट देता है। ऐसा होने पर म्यूटेड यानी उत्परिवर्तित मच्छर सामान्य मच्छरों में मलेरिया-रोधी जीन्स को 99 फीसदी तक फैलाने में सफल होंगे, जिससे उनकी प्रजनन क्षमता खत्म हो जाएगी।

रेसिपी

मशरूम रोल

कितने लोगों के लिए 2

सामग्री

6-7 मशरूम, 1/2 कप ब्रेड का चूरा, 2 टेबल स्पून कार्नफ्लोर, 2 टेबल स्पून बेसन, 1/4 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर, स्वादानुसार नमक, 1 टी स्पून अदरक पेस्ट, 1 टेबल स्पून हरी धनिया बारीक कटी हुई

विधि

सबसे पहले कॉर्नफ्लोर और बेसन में जरूरत भर पानी डालकर अच्छी तरह घोल लें। ध्यान रहे गुठलियां न बनने पाएं। घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि मशरूम के ऊपर कोटिंग अच्छी तरह हो जाए। सारे मशरूम को अच्छी तरह गीले कपड़े से पोंछ कर दो हिस्से में काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करें। अब एक-एक मशरूम उठाकर घोल में डालें। फिर घोल से मशरूम निकाल कर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें। किसी प्लेट में रख लें। सारे मशरूम के टुकड़े इसी तरह घोल और ब्रेड के चूरे में लपेटकर प्लेट में लगाकर रख लें। गर्म तेल में एक-एक करके ब्रेड क्रम्ब्स में मशरूम लपेट कर सुनहरा तल लें। गरमागरम क्रिस्पी मशरूम बोंडा तैयार है। ऊपर से चाट मसाला और हरी धनिया की चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

बेसनी कचौड़ी

कितने लोगों के लिए 8

सामग्री

600 ग्राम मैदा, 250 ग्राम बेसन, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चुटकी हींग, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

विधि

500 ग्राम मैदा रोटी के आटे की तरह गूंध लें। बेसन में नमक, हींग, मिर्च डालकर मैदा की तरह गूंध लें। मैदा की लोई बनाकर इसमें बेसन कचौड़ी की तरह भर लें। टिकिया को बची मैदा का पलोथन अच्छी तरह लगा-लगाकर पतली बेल लें। जितनी पतली बेलेंगी उतनी ही अच्छी होगी। कड़ाही में घी खूब गर्म करके उसमें कचौड़ी डालें। डालते ही यह फूल जाएगी। यदि कुछ कम फूले तो उलटने से फूल जाएगी। अच्छी तरह सिकजाए तो उसे घी से निकाल लें। इसे अचार के साथ सर्व करें। यह कचौड़ी आठ दिन तक खराब नहीं होती।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**